

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28<sup>th</sup>] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 14, 1979 (आषाढ़ 23, 1901)  
No. 28 ] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 14, 1979 (ASADHA 23, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paglog is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जून 1979

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल०) श्री एम० एल० धवन को उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर तारीख 5-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम, उप-सचिव  
कृते अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई, 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षक (हाल०) को, आयोग के कार्यालय में 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, सहायक 1-146GI/79

नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री जे० एल० कपूर
2. कुमारी सन्तोष हांडा

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी स्वागती एवं स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एम० एल० चौपड़ा को, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, स्वागत अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून, 1979

सं० ए० 32016/2/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई अनु० सहा० (अनु० ग्री० सं०) ग्री० स्थानापन्न अनुसन्धान अन्वेषक श्री राम सिंह को 2-6-1979

से 31-8-1979 तक की अवधि के लिये अवकाश आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (अनु० और सां०) श्रीसती राजकुमारी आनन्द के, जिन्हें अवकाश स्वीकृत किया गया था, स्थान पर कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (अनु० और सां०) के रूप में स्थानापन्न कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन,

अवर सचिव,

कृते सचिव

मध्य लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्य एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1979

सं० एम०-5/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्री एम० जी० कवे, भारतीय पुलिस सेवा (1952-महाराष्ट्र) जो आजकल केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-महानिरीक्षक हैं, को दिनांक 5-6-79 के पूर्वाह्न से दिनांक 31-5-1980 तक संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1979

सं० बी०-2/73-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के वर्तमान संयुक्त निदेश, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, श्री बी० आर० लक्ष्मीनारायणन, भारतीय पुलिस सेवा (1951-तमिलनाडू) को दिनांक 14 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

हीरो ए० गहानी

प्रशासनिक अधिकारी (स्वा०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 13 जून 1979

कृति श्री एम० पदमानभन, महायुक्त कार्य प्रबन्धक 7/5/79 से 6-6-1979 तक 31 दिन के अर्जित अवकाश पर जा रहे हैं, अतः श्री सी० पी० भाटिया फॉर्मैन (उत्पादन विभाग) को सं० 840-40-1000-द० सी०-10-1200 के वेतनमान में दिनांक 8-5-79 (7-5-79 भाषाहिन अवकाश था) से महायुक्त कार्य प्रबन्धक के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नत किया जाता है।

श० पी० पाठक

महा प्रबन्धक

मुद्रण निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० बी० (51) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री मधुकर बैयार्जी बांबाडे, तहसीली अधिकारी को 12 जून 1979 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, भारत सरकार पाठ्य-पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ में उप-प्रबन्धक (फोटो लियो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सं० आर० (22) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री गुलशनराय रखेजा, तहसीली अधिकारी (फोटो लियो) को दिनांक 23-5-79 के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, भारत सरकार फोटोलियो मुद्रणालय, फरीदाबाद में उप-प्रबन्धक (फोटो लियो) के पद पर नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी

संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम-695001, दिनांक 11 जून 1979

सं० स्थापना/ह्वदारी 6/10-3—महालेखाकार का कार्यालय, केरल के लेखा अधिकारी श्री एन० पी० नटराजन अधिवर्षिता प्राप्त होने के कारण 31 मई 1979 पूर्वाह्न को सेवा निवृत्त हो गये।

पी० जी० एन० नंप्पुतिरी

महालेखाकार

का लिय निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं,

नई दिल्ली-110001 दिनांक जून 1979

सं० 1356/ए-प्रशासन/130/79—वार्धक्य निवृत्ति आय प्राप्त करने पर श्री एम० बी० जगनाथन, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी दिनांक 30-5-1979 (अपराह्न) लेखा परीक्षा रक्षा सेवाओं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 1357/ए-प्रशासन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाओं के अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई श्री आर० बी० एल० सक्सेना को निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाओं, नई दिल्ली का लिय में दिनांक 15-6-79 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश प्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० श्री० दाम भौमिक

संयुक्त निदेशक

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1979

सं० 34/जी/79—वार्धक्य निवृत्ति आय प्राप्त करने पर निरन्तर लिखित अधिकारीगण से प्रत्येक के मामले दशायी गई तारीख में सेवा निवृत्त हुए :—

क्रमांक	नाम एवं पद	सेवा निवृत्ति तिथि
(1)	(2)	(3)
(1)	श्री बी० के० घोष, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मॉलिक एवं स्थाई (अपराह्न) फॉर्मैन)	31 अगस्त, 1976

(1)	(2)	(3)
(2)	श्री रूप सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	31 जनवरी, 1978 (अपराह्न)
(3)	श्री के० रामानाथन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	31 मई, 1978 (अपराह्न)
(4)	श्री के० के० भट्टाचार्य, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	30 जून, 1978 (अपराह्न)
(5)	श्री एम० मुखर्जी, स्थाई प्रबन्धक	31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)
(6)	श्री जे० एस० सिन्धू, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)
(7)	श्री एन० बी० सरकार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	31 जुलाई, 1978 (अपराह्न)
(8)	श्री एम० एन० राय चौधरी, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न)
(9)	श्री एम० पी० भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई स्टाफ असिस्टेंट)	30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न)
(10)	श्री के० पी० गुहाराय, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(11)	श्री एम० आर० चक्रवर्ती, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उपप्रबन्धक)	—वही—
(12)	श्री सी० ए० वाज, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन)	31 अक्तूबर, 1978 (अपराह्न)
(13)	श्री एच० एल० शर्मा, स्थानापन्न उपप्रबन्धक, (मौलिक एवं स्थाई उपप्रबन्धक)	—वही—
(14)	श्री बी० के० पिल्लय, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक)	—वही—
(15)	श्री टी० एम० सुन्दरेशन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टाफ अफसर)	30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न)
(16)	श्री के० आर० जी० नायर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(17)	श्री टी० डी० मेलो, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—

(1)	(2)	(3)
(18)	श्री बी० बी० घमण्डे, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई स्टोर होल्डर)	31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न)
(19)	श्री पी० सी० शिपना, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-1 (मौलिक एवं स्थाई ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II)	31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न)
(20)	श्री जी० एन० बनर्जी, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उप-प्रबन्धक)	—वही—
(21)	श्री बी० पी० भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(22)	श्री आर० सी० दत्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(23)	श्री जी० सी० बनर्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(24)	श्री डी० एन० दत्ता, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई सहायक प्रबन्धक)	—वही—
(25)	श्री टी० एम० कोहली, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई सहायक प्रबन्धक)	—वही—
(26)	श्री पी० के० घोष, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—
(27)	श्री जे० चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	31 जनवरी, 1979 (अपराह्न)
(28)	श्री के० सी० पाल, स्थाई प्रबन्धक	—वही—
(29)	श्री जी० एम० मैनी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	28 फरवरी, 1979 (अपराह्न)
(30)	श्री एस० के० कार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन)	—वही—

दिनांक 12 जून 1979

सं० 35/बी०-79—श्री आर० सी० दत्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 31-10-1978 (अपराह्न) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

सं० 36/जी०/79—श्री एम० एन० गुप्त, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई सहायक प्रबन्धक) दिनांक

21-1-77 से एक वर्ष की पुनः नियुक्ति के बाद दिनांक 31-1-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 37/जी०/790—श्री के० डी० मल्होत्रा, स्थाई उप महाप्रबन्धक दिनांक 1-9-78 से 6 मास की पुनः नियुक्ति के बाद दिनांक 28-2-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 15 जून 1979

सं० 30/79/जी०—राष्ट्रपति आर्डनेंस फैक्टरियों के उप निदेशक श्री० ई० एफ० समूह श्री एम० एम० बासू का सेवाकाल 21-3-79 से 6 माह के लिये बढ़ाने की मंजूरी देते हैं।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक,  
आर्डनेंस फैक्टरियां

#### श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक जुलाई 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—मई, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अप्रैल, 1979 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 339 (तीन सौ उनतालीस) रहा है। मई, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 412 (चार सौ बारह) आता है।

त्रिभुवन सिंह,  
उप निदेशक  
श्रम व्यूरो

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1979

(आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण)

(स्थापना)

सं० 6/396/56-प्रशासन/राज—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री बी० पी० सबनिस, नियंत्रक आयात निर्यात ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 31 मार्च, 1979 के दोपहर बाद से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजिन्दर सिंह  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात,  
नूते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-69, दिनांक 14 जून 1979

सं० जूट (ए)/147/65—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (निर्यात) ग्रुप "बी",

को श्री डी० एन० सिन्हा के अवकाश चले जाने के फलस्वरूप इस कार्यालय में दिनांक 14-5-1979 (पूर्वाह्न) से तदर्थ स्थानापन्न हैमियत में सहायक निदेशक (आर्थिक) ग्रुप "ए" (राजपत्रित) के तौर पर रु० 700-40-900-२० रु०-40 1000-50-1300 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

टी० एस० चक्रवर्ती,  
कार्यकारी अधिकारी

विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1979

सं० 12(667)/70-प्रशासन (राजपत्रित)—दिल्ली विकास प्राधिकरण में अर्थशास्त्री के रूप में नियुक्ति होने पर श्री पी० बी० थोमस ने दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 23 मई 1979

सं० 12(34)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर के श्री जे० एन० शिवदासानी निदेशक ग्रेड II (यांत्रिक) को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर में निदेशक ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मई 1979

सं० 12(444)/64-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री बी० एस० चड्ढा, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 28 अप्रैल, 1979 से 31 जुलाई 79 तक की अवधि के लिये विकास आयुक्त (लघु उद्योग), के कार्यालय में उप निदेशक (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/227/75-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन, तन्जानिया में विशेषज्ञ के रूप में दूो वर्ष के लिये, प्रतिनियुक्ति हो जाने पर, श्री एम० डी० पद्मेकर ने दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा (संस्थान), बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 मई 1979

सं० 12(314)/62-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के श्री जी० बी० जखेटिया, निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) को दिनांक 25 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर में निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।



दिनांक 30 मई 1979

विस्तार निदेशालय

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1979

सं० 12(358)/62-प्रशासन (राजपत्रित)—योजना आयोग में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के रूप में तैनाती होने पर भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी, श्री भगवत घ्याल ने दिनांक 9 मई, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 3(48)/79-स्था० (1)—अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्वश्री एस० एल० धीर, के० आर० विज एवं ओ० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्ति 28-2-1979 से आगे 31-7-1979 तक बनी रहेगी।

बद्रीनाथ चड्ढा,  
निदेशक प्रशासन

सं० ए-19018/420/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी तथा आखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, नई दिल्ली में उप निदेशक (योजना एवं अन्वेषण) श्री एम० एल० भारद्वाज, को दिनांक 3 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिये विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एच० एल० जुनेजा,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 2 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी० 3(262) 78-प्रशा०/8944—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के स्थाई-उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री के० ओ० ओसफ को 30 अप्रैल 1979 के पूर्वाह्न से 2 जून 1979 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री टी० एस० असवाल, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गये हैं।

दिनांक 6 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी० 3(283)/76-प्रशासन/9140—भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री पी० बासु की सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 5 मई, 1979 के अपराह्न तक स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति के बारे में इस प्रभाग की तारीख 27 अप्रैल, 1979 की सम संख्यक अधिसूचना की ओर ध्यान दिलाया जाता है। श्री बासु को 25 मई, 1979 के अपराह्न तक सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से कार्य करने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 12 जून 1979

सं० पी० पी० ई डी० 3(262)/76-प्रशासन/9337—इस प्रभाग की तारीख 17 अप्रैल, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना जिसके अन्तर्गत इस प्रभाग के प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री ए० एच० पुनवानी को 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से 19 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया था, के क्रम में 25 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिये उसी पद पर अस्थायी रूप से कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

बी० बी० थात्ते,  
प्रशासनिक अधिकारी

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जून 1979

सं० ए० 19018(230)/75-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली के स्थाई अधीक्षक श्री जे० आर० मल्होत्रा को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 10 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जून 1979

सं० 14/4/79-एम० (टी)—सं० के० बी० सौन्दर राजन निदेशक (स्मारक) प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्विक स्थल एवं पुरावशेष नियमावली, 1959 के नियम 7 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूँ कि सम्राट शाहजहाँ के वार्षिक 'उर्स' समारोह के उपलक्ष्य में निम्नलिखित तिथियों में, आगरा के ताजमहल में प्रवेश पाने के लिये कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा:—

- (1) 23-6-79 को 2.00 बजे अपराह्न से अर्धरात्रि तक
- (2) 24-6-79 को पूरा दिन अर्थात् 7.00 प्रातः से 5.00 बजे सांय तक

के० बी० सौन्दर राजन  
निदेशक (स्मारक)  
कृते महानिदेशक

## क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 मई 1979

सं० डी० पी० एम०/23/1/79/संस्थापन/12586—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9 अप्रैल 1979 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० रवीन्द्रन सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-880-६० रो०-40-060 के वेतनमान में इसी निदेशालय में 1 अप्रैल 1979 से 30 अप्रैल 1979 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जून 1979

सं० डी० पी० एम०/23/1/79 संस्थापन/16540—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5 मई, 1979 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० रवीन्द्रन सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में, अग्रिम समय 6 जून 1979 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 18 जून 1979

सं० भापाप/स्था०/1श्री-48/3054—भारी पानी परियोजना के, विशेष, कार्य अधिकारी, श्री श्रीकृष्ण श्रीहरि खनोलकर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरुण श्रेणी लिपिक को उसी कार्यालय में 9 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से 8 जून, 1979 (अपराह्न) तक के लिये, श्रीमती के० पी० कल्याणी कुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी जो भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 2 जून 1979

सं० ए० 32023/1/77-आर०—रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक केन्द्र के निम्नलिखित कर्मचारियों को 21 मई, 1979 के पूर्वाह्न से 20 जून, 1979 के अपराह्न

तक के लिये उनमें से प्रत्येक के नाम के अग्रे दिये गये पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार नियुक्त करते हैं:

क्रम संख्या नाम और पदनाम मौलिक पद पदोन्नत पद

1. श्री आर० राजमणि भाभा परमाणु अनु-लेखा अधिकारी-सहायक लेखा अधि-सन्धान केन्द्र में कारी उच्च श्रेणी लिपिक
2. श्री के० नारायणमूर्ति, रिऐक्टर अनुसंधान सहायक लेखापाल केन्द्र में सहायक लेखापाल अधिकारी

पी० वी० सोमनाथन,  
मुख्य प्रशासन अधिकारी  
कुत्ते परियोजना निदेशक

## पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1979

सं० स्थापना (1) 03800—भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास के निदेशक कार्यालय के श्री वी० एम० धनकुमारण सहायक मौसम विज्ञानी निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० स्थापना (1) 03851—भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक के मुख्यालय के श्री वी० वी० सेन मौसम विज्ञानी श्रेणी-II निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 31 मई, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (1) 03871—भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक के मुख्यालय के श्री अमीन सिंह, सहायक मौसम विज्ञानी निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 31 मई, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

गुरुमुखराम गुप्ता,  
निदेशक

कुत्ते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० मी०—राष्ट्रपति ने श्री ए० ए० शेटी, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर को दिनांक 21-5-1979 (पूर्वाह्न) से छः माह के लिए तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 22 जून 1979

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निर्वाहन आय प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्नलिखित दो सहायक तहसीली अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दी गई तारीख और अंतिम स्टेशन पर अपने पद का कार्य-भार हाथ दिया था :—

क्रम० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री एल० एम० सैन	वैमानिक संचार स्टेशन पोर्ट ब्लेयर	30-9-1978 (अपराह्न)
2.	श्री सी० पी० आष्टे	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-5-1979 (अपराह्न)

सं० ए० 38013/7/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 29-12-1978, 16-1-1979 और 14-2-1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/7/78-ई० सी० के क्रम में रूद्ध्रति ने निम्नलिखित चार तहसीली अधिकारियों की उनके नाम के सामने दी गई तारीखों के बाद दिनांक 31-8-1979 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्तियाँ होने तक, जो भी पहले हो, बरौत तहसीली अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की संस्वीकृति दे दी है :—

क्रम० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	बढ़ाई गई अवधि
1.	श्री पी० ए० सहिन	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता	20-5-1979 के आगे
2.	श्री विजय पंवार	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	20-5-1979 के आगे
3.	श्री के० के० नारायण	संचार नियंत्रक, कलकत्ता	1-6-1979 के आगे
4.	श्री ए० के० वंमत	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	5-7-1979 के आगे

सत्यदेव शर्मा,  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1979

सं० ए० 12026/1/79-ई० ए०—गाइडिंग ने भारतीय वायुसेना के फ्लाइट लेफ्टिनेंट श्री ए० एम० भारद्वाज को स्थानान्तरण पर दिनांक 4-6-1979 (पूर्वाह्न) से अन्त आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर रा. पायलट के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 40012/1/79-ई० एस०—श्री एल० सी० अग्रवाली, सहायक विमान निरीक्षक, नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण हैदराबाद का कार्यालय, मूलनियम 56-(जे०) के अंतर्गत दिनांक 6 जून, 1979 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

भुरजीत लाल खंडपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० ए० 32014/1/79-ई० ए०—सहानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से एक वर्ष की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण के केंद्र, बनारसी (इलाहाबाद) में तैनात किया है :—

क्रम० सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री एम० सी० रावत	17-5-1979
2.	श्री एन० सी० एडबोरे	14-5-1979
3.	श्री ए० सी० जस्माल	21-5-1979
4.	श्री डी० के० जैन	14-5-1979
5.	श्री आर० सम्पत	25-5-1979
6.	श्री गुरमुख सिंह II	14-5-1979
7.	श्री बी० आर० समतानी	21-5-1979
8.	श्री श्यामलसेन गुप्ता	14-5-1979
9.	श्री बी० बी० दाम	14-5-1979

वि० वि० जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 21 जून 1979

सं० 1/460/79-स्था०—श्री पी० मुखर्जी को, जिन्हें 3 अप्रैल, 1978 से तदर्थ आधार पर कलकत्ता शाखा में स्थानांतरण रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया गया था, 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से कलकत्ता शाखा में तहसीली सहायक के उनके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

सं० 1/477/79-स्था०—वि० प्र० अ०, पुणे के सस्थायी सहायक अभियंता श्री अरुण जॉन मलहोत्रा को 9 मार्च, 1979 के पूर्वानुमति से अपनी नियुक्ति छोड़ने की अनुमति दे दी गयी।

पा० कि० गोविन्द नायर  
निदेशक (प्रशासन)  
रुने सहायक निदेशक

## निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1979

सं० 33/9/76-ई० सी० आई० एक्स०—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीय कार्यालय) सहायक (वास्तु विभाग) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इन नियमों के उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं, आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पदनाम, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होता :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षधारकों लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां, वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, और अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

एस० रंगनाथन,  
अवर सचिव

## अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु- सीमा
1	2	3	4	5	6
1. सहायक (वास्तु विभाग) चयन श्रेणी	17	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अलिपिक वर्गीय	550-20-650- 25-750 रुपये	चयन लागू नहीं होता	
2. सहायक (वास्तु विभाग) श्रेणी-I	76	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अलिपिक वर्गीय	425-15-500- द०रो०-15-560- 20-700 रु०	अचयन लागू नहीं होता	
3. सहायक (वास्तु विभाग) श्रेणी-II	81	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अलिपिक वर्गीय	330-10-380- द०रो०-12- 500-द०रो०-15- 560 रुपये	लागू नहीं होता	18 और 28 वर्ष के बीच सरकारी सेवाओं के मामले में उच्चतर आयु शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है। (प्रत्येक मामले में आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो

1	2	3	4	5	6
					अन्दमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।
भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं		परिधीक्षाधीन की अवधि यदि कोई हो		
7	8	9			
1. लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	दो वर्ष			
2. लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	दो वर्ष			
3. वास्तुकला में इण्टरमीडिएट (मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रम)	लागू नहीं होता	दो वर्ष			
भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में कितनी परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा		
10	11	12	13		
1. प्रोन्नति द्वारा	ऐसा सहायक (वास्तु विभाग) श्रेणी 1, जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा कर ली है और ऐसा सहायक श्रेणी II, जिसमें उस श्रेणी में आठ वर्ष नियमित सेवा कर ली है।	1. मुख्य वास्तुविद—अध्यक्ष 2. निदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. निर्माण और आवास मंत्रालय का अवर सचिव या समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी—सदस्य	लागू नहीं होता		
2. प्रोन्नति द्वारा	ऐसा सहायक श्रेणी-II (वास्तु विभाग) (साधारण श्रेणी) (330-560 रुपए), जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा कर ली है)	1. मुख्य वास्तुविद—अध्यक्ष 2. निदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. निर्माण और आवास मंत्रालय का अवर सचिव या समतुल्य पंक्ति का कोई अधिकारी—सदस्य	लागू नहीं होता		
3. सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	1. ज्येष्ठ वास्तुविद—अध्यक्ष 2. उपनिदेशक, प्रशासन—सदस्य 3. वास्तुविद—सदस्य	लागू नहीं होता		
					ऊपर के तीनों अधिकारियों में से किसी एक अधिकारी की पंक्ति का अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक अधिकारी विभागीय प्रोन्नति समिति में सम्मिलित होगा।

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसकोर्टस फार्म हटैचरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 5989—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एसकोर्टस फार्म हटैचरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जाएगी।

जी० सी० गुप्ता  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कपूरथला प्रापर्टी चिट फण्ड एण्ड फाईनैन्शियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 26 जून, 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3001/2423—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कपूरथला प्रापर्टी चिट फण्ड एण्ड फाईनैन्शियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जाएगी।

मन्य प्रकाश तायल,  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और टाईटमन्ड एण्ड कम्पनी (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 3709—सिविल पंजी सं०.....से.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 26-7-78 के आदेश द्वारा टाईटमन्ड एण्ड कम्पनी (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और जोशी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

सं० 8821—सिविल पंजी सं०.....से.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 2-10-78 के आदेश द्वारा जोशी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और एलडी वायर रोप लिमिटेड के मामले में

दिनांक 19 जून 1979

सं० 12553—सिविल पंजी सं०.....से.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 12-7-78 के आदेश द्वारा एलडी वायर रोप लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और एम० जे० फाईनैन्शियर्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 13254—सिविल पंजी सं०.....से.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 5-10-78 के आदेश द्वारा एम० जे० फाईनैन्शियर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और अम्बिका ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

दिनांक 20 जून 1979

सं० 14026—सिविल पंजी सं०.....से.....में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 27-9-78 के आदेश द्वारा अम्बिका ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

ह० अपठनीय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स डिमप्ले एंड डेकोरेशंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 12266/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स डिमप्ले डेकोरेशंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स जमवाल फायनांस एंड चीट सेफम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 15098/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स जमवाल फायनांस एंड चीट सेफम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित्त हो गई है।

एल० एम० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 29 मई 1979

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री बी० चक्रवर्ती, जो आय-कर अपील अधिकरण के सदस्य के वैयक्तिक सहायक हैं, को आय-कर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में सहायक पंजीकार के पद पर अस्थायी क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 21-5-1979 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 21-5-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० एफ० 48-ए० डी० (एटी)/79—श्री डी० एस० शर्मा, जो उत्तर प्रदेश सरकार के परिवीक्षा अधिकारी, मेरठ में हैं, को आयकर अपील अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में

सहायक पंजीकार के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 10-5-1979 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक अस्थायी क्षमता में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 10 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० एफ० 48-ए० डी० (एटी)/79—श्री डी० एस० शर्मा, (संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक पंजीकार के पद पर नामित) की नियुक्ति हो जाने से श्री आर० के० घोष, जो आय-कर अपील अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-8-1978 से स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, को आय-कर अपील अधिकरण में उनके मूल पद पर सहायक अधीक्षक के रूप में दिनांक 10-5-1979 (पूर्वाह्न) से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

पी० डी० माथुर  
अध्यक्ष  
आयकर अपील अधिकरण

## प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
10-78/753—अतः, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 ब्लॉक नं० 205-सी है, तथा जो  
बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक स्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाल चन्द आहलूवालिया, सुपुत्र श्री मेहर चन्द  
आहलूवालिया निवासी 50-बी, स्वामी नगर, नई  
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री राजीव सहाय, सुपुत्र श्री ईश्वर सहाय निवासी  
मकान नं० 1, बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 212.5 वर्ग गज क्षेत्रफल  
के प्लॉट पर बना हुआ है, इसका नं० 1, ब्लॉक नं० 205-  
सी है, बजार लेन, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :



प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

414क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-III/

10-78/687/—अन०, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एल-13 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 25% प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल धवन, सुपुत्र श्री नन्द लाल धवन निवासी द्वारा श्री ओ० पी० खन्ना, निवासी ए-73, पंडारा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० चित्तरंजन मलिक, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अशुतोष मलिक, निवासी आई-1648, चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली-1

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० एल-13 है और क्षेत्रफल 469 वर्ग गज है, कालकाजी की निवासी कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन  
पश्चिम : रोड़  
उत्तर : प्लॉट नं० एल-14  
दक्षिण : प्लॉट नं० एल-12

अंजनी ओजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
10-78/727—अतः, मुझे, अंजनी ओजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० डब्ल्यू०-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री उज्जाल सिंह, सुपुत्र श्री करतार सिंह, निवासी  
डब्ल्यू०-96, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० शाकुन्तलम प्रार्पटीज प्रा० लि० तथा मै० प्रेमाशरम  
प्रार्पटी प्रा० लि०, इनके डायरेक्टर श्री ओ० पी०  
गर्ग के द्वारा निवासी सी-46, एन० डी० एम० ई०  
पार्ट-II, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० डब्ल्यू०-97 है और क्षेत्रफल  
333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-I, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०III-/  
10-78/725—अतः मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धातियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या बिया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकटित :—

1. श्री मनजीत सिंह खुराना, सुपुत्र श्री करतार सिंह,  
निवासी डब्ल्यू-96, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. मै० शाकुन्तलम प्रावर्टीस प्रा० लि०, तथा मै० प्रेमशरम  
प्रावर्टीस प्रा० लि०, इनके डायरेक्टर श्री ओ०  
पी० गर्ग के द्वारा, निवासी सी-46, एन० डी० एस० ई०  
पार्ट-II, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० डब्ल्यू-97 का 1/3 हिस्सा इसका  
क्षेत्रफल 333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली  
में है।

अंजनी ओजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिली-1, 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
10-78/726/यतः, मुझे, अंजनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-97 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुलदीप सिंह खुराना, सुभद्र श्री करतार सिंह  
खुराना, निवासी डब्ल्यू-96, ग्रेटर कैलाश-1 नई  
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. मैं शाकुन्तलम प्रापर्टीस (प्रा०) लि०, इनके डायरेक्टर  
के द्वारा (2) मैं प्रेमशाम प्रापर्टीस प्रा० लि०,  
इनके डायरेक्टर श्री० पी० गर्ग के द्वारा, निवासी  
सी-46, एन० डी० एम० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डब्ल्यू-97 का 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल  
333.3 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिली, नई दिल्ली

तारीख: 26-6-1979

मोहर:

प्रकरण आदि सं. डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1,

4/14क, अमरगली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-III/10-78/708—अन: मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-17 है, तथा जो कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मन मोहन वकर, सुपुत्र लाला किशोरी लाल वकर, सै० राम मरण दास एण्ड ब्रदर्स के लिए, निवासी 5-बी, आनमा राम हाउस, 1-डालमटाण मार्ग, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री तीर्थ राम, पुत्रगण श्री पिशोरी लाल, निवासी 66, फरैन्डस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट ज़िपका नं० डी-17 है और क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, असफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/  
10-78/723—यनः, मुझे, अंजनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के प्रयोजन सूक्ष्म अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो आनन्द लोक, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
रन्ध्र प्रतिफल अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
आर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट है ताकि यह रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण प हुई निम्न आय की बाबत उक्त  
आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद वे भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 की 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अर्वात्त निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महेश्वर दयाल पुत्र श्री वीर दयाल, निवासी 20  
आनन्द लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार गोतका पुत्र श्री एम० एन० गोतका,  
निवासी 20 आनन्द लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

हरष्टोत्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान सं० 20 आनन्द लोक क्षेत्रफल  
800 वर्ग गज आनन्द लोक नई दिल्ली में स्थित है।

अंजनी ओजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, अलकअलो मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/  
12-78/896—अतः, मुझे, अंजनी आजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एम-15 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है और (इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नारायण भाटिया, सुपुत्र श्री राम दिप्ता मल, निवासी सी० ए०/2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री नारायण सिंह, सुपुत्र श्री मोती सिंह, निवासी ई-141, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों है का नं० एम-15 है और क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

अंजनी आजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14 आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० आर०-3/III  
12-78/893—अनः भुझे, अंजनी ओजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी दुकान एम-30 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 31-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनस्तरी की गई है और भुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पत्रह प्रतिशत अधिक है और धनतरक (धनतरकों) और धनरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे धनतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनतरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) धनतरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के धनतरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किमी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलराम सिंह, सुपुत्री श्री गुरबक्श सिंह, निवासी  
एम-27, ग्रेटर कैलाश-1, माकिट, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती ईश्वर कौर, सुपुत्री श्री जाध सिंह, निवासी  
डी-16, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

साधोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रकरण 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
तद्वी धर्मे होगा जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूचा

प्लॉट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों है का  
क्षेत्रफल 196.5 वर्ग गज है और नं० एम-30 है, ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979  
सोहर :



प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

4/148, आमफजला मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० टी० एन०/एक्यू०-1/एन० आर० III/

10-78/758—अनं, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो जाटपुर गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से धरित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजा राम, सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, मोनर बन्द गांव तहसील महरोली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल मिश्रा, स्वयं तथा श्री दिनेश कुमार तथा रमेश कुमार के लिए (2) श्री स्नेह कुमार, 19/6, कालकाजी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 बिघा तथा 2 बिसवा है और खमरा नं० 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668/1, 669, 670, 671/1, 672/2, 673, 674, 675, 676, 677, 679 से 684 आदि है, गांव जैतपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1.

4/14 आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 27 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर०-II/10-78/

756—यतः, मुझे, अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम 2 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री गुरबचन सिंह पाठवा, के-9, माउथ एक्सटेंशन पार्ट 2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० ओल्ड विनैज इन्डस्ट्रीज लि०, 16 ए, नारायणा इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जोकि निवासी तथा व्यवसायिक दोनों है का क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है और नं० एम-2 है, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 27-6-1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली 1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०— /  
अक्षतृवर 2—यतः, मझे, मिस ग्रंजनी ओझा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० ऑफिस फ्लैट नं० 102 है, तथा जो  
माविनी सिनेमा कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली-1 में  
स्थित है (और इसमें उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 11-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिणियों), के बीच  
ऐसे अन्तरण के बिना नष्ट गया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक करने कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबा उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव  
में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैगर्स डी० एन० एफ० बुनाडिट निमित्त 21-22  
नम्बर गेनेस, पालियापोस्ट रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज कुमारी धर्मवती (स्वर्गीय) श्री  
राम नारायण कटारिया और (2) श्रीमती स्वर्ण  
कान्ता धर्मवती श्री बजरंग कटारिया, निवास स्थान,  
ए 20 जंगपुरा, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रतीहस्ताक्षरों के नाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ऑफिस फ्लैट नं० 102 (पहली फ्लोर) क्षेत्रफल  
617.9 वर्ग फुट स्थित—माविनी सिनेमा कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर  
कैलाश 2, नई दिल्ली ।

मिस ग्रंजनी ओझा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रकृष आर्डी० ए० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज I,

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० 3/  
अक्टूबर II (3)/1978 79/715—सतः, मुझे, मिस अंजनी  
शोभा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस फ्लैट नं० 304 है, तथा जो भावित्री  
सिनेमा कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

सतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ० की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. भैरवी डी० एन० एक० मुगाइदिन निमिटेड 21-22  
नरिष्ठ पेलेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री केवल किशोर जुनेजा, पुत्र श्री बी० चार० जुनेजा,  
कमल प्रिया 30 नेग बहादुर रोड, देहलीनून, (यू० पी०)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
निमित्त एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करवाते हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्राधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्राधि, जो भी प्राधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ऑफिस फ्लैट नं० 304 (तीसरी फ्लोर) क्षेत्रफल  
488.6 वर्ग फुट स्थिति भावित्री सिनेमा कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर  
कैलाश II, नई दिल्ली।

मिस अंजनी शोभा

नक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली 1

नई दिल्ली 1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/1/एम० आर० 3/  
अक्तूबर 1(38)/1978/79/705—यतः, मुझे, मिस अंजनी  
श्रीवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस प्लेट नं० 302 है, तथा जो तीसरी  
फ्लोर, मावित्री मिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश 2, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे  
प्रसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

4-146 GI/79

1. मैमर्स डी० एल० एफ० युनाइटेड लिमिटेड, 21-22  
नरिन्द्र पेलेम, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राज नन्दा धर्मपत्नी श्री सी० एम० नान्दा  
सी/82 डिफेन्स बालोनी, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितवश किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

एक ऑफिस प्लेट नं० 302 तीसरी मंजिल पर क्षत्रफल  
617.9 वर्ग फुट स्थिति मावित्री मिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर  
कैलाश 2, नई दिल्ली ।

मिस अंजनी श्रीवा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1 मैसर्स डी० एल० एफ० लिमिटेड, 21-22 नरेन्द्र पेलेम, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/आईएस० आर०-3/अक्तुअर-II (1)/1978-79/713—यतः, मुझे, मिस अंजनी ओझा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस फ्लैट नं० 406 है, तथा जो (चौथी फ्लोर) सिनेमा कोमशियल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावः—

2 श्रीमती मुणमा जग्गि धर्मपत्नी मेजर वी० पी० जग्गि केयर आफ मेजर वी० पी० जग्गि, गैरीमन इंजीनियर ईशरना पेलेग, अलवर, राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ऑफिस फ्लैट नं० 406 (चौथी फ्लोर) क्षेत्रफल 468.7 वर्ग फुट स्थिति सिनेमा कोमशियल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

मिस अंजनी ओझा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1 दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी./एक्यू०/II/एस० आर०-III/  
अक्टूबर—यतः, मुझे, मिस अंजनी ओझा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० ऑफिस प्लैट नं० 306 है, तथा जो  
मावित्री सिनेमा कोमर्शियल कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22  
नरिन्द्र पेलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1  
(अन्तरक)

2. श्री असबानी कुमार जुनेजा पुत्र श्री बी० आर०  
जुनेजा, कमल प्रिया, 30 तेग बहादुर रोड, देहरादून,  
(यू० पी०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कर रहा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

संज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक ऑफिस प्लैट नं० 306 (तीसरी फ्लोर) श्वेतफल  
बर्ग फुट 469, स्थित सिनेमा कोमर्शियल बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली ।

मिस अंजनी ओझा  
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

गोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-II/अक्षर-II, (1)/1978-79/716—यतः, मुझे, मिस अंजनी श्रोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस फ्लैट नं० 203 है, तथा जो (सावित्री सिनेमा कोम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बांस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 मैसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22 नरिन्द्र पेलेम, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1  
(अन्तरक)

2 श्रीमती शाकुन्तला अरोरहा धर्मपत्नी श्री अमर नाथ अरोरहा 11 मालवीय रोड, देहगढ़ (यू० पी०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक ऑफिस फ्लैट नं० 203 (दूसरी फ्लोर) क्षेत्रफल 578.3 वर्गफुट सिनेमा कोम्पलैक्स बिल्डिंग स्थित ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली ।

मिस अंजनी श्रोत्रा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-6-1979

गोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/प० आर०-III/अक्टूबर-1 (45)/712/78-79—यतः, मिस अंजनी श्रोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सी-133 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री सुदर्शन कुमार चड्ढा सुपुत्र श्री बी० एन० चड्ढा निवासी, 134-आर, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री मनमोहन सिंह, सुपुत्र श्री अवतार सिंह निवासी 8/25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 313 वर्ग गज है और नं० सी-133 है, ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली में है।

मिस अंजनी श्रोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/10-78/748—

यतः, भुझे, अंजनी ओझा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० ई-54 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती दया वती, पत्नी श्री सोहन लाल  
(2) जनक राज (3) मोहिन्द्र लाल  
(4) विजय कुमार सभी सुपुत्र श्री सोहन लाल,  
निवासी 7/21, दगियागंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सिकन्दर लाल पाहवा, सुपुत्र श्री शेर सिंह  
(2) श्रीमती सुभाष पाहवा पत्नी श्री शेर सिंह,  
निवासी एफ० डी०-34, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति महितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका सं० ई-54 है और क्षेत्रफल 556.16 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है।

अंजनी ओझा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

मोहर

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
10-78/718/78-79—यत्, मुझे, अंजनी ओझा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-299 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश परमेश्वर थापर, सुपुत्र श्री (स्वर्गीय)  
परमेश्वरम पिन्नाण, निवासी ई-299, ग्रेटर कैलाश-I  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री आर० डी० थापर, सुपुत्र श्री हरीचन्द थापर  
(2) श्री राजेश ए० थापर सुपुत्र श्री आर० डी०  
थापर (एन० यू० एफ०), निवासी ई०-299, ग्रेटर  
कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान जोकि 303 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है,  
इसका सं० ई-299 है, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड  
पश्चिम : ई-297  
उत्तर : रोड  
दक्षिण : मविम जेत।

अंजनी ओझा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-6-1979

शोधक :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-562/नकोदर/79-80—मतः, मुख्देव चन्द,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
ऊगी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सेवा देवी विधवा ज्वाला सहाय द्वारा मुख्देव-  
आम जगदीश्वर सहाय पुत्र ज्वाला सहाय गांव : ऊगी  
तहसील, नकोदर ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल सिंह, जगतार सिंह, केवल सिंह, अमरजीत  
सिंह मुपुत्र दलवाग सिंह, गांव ऊगी, तहसील,  
नकोदर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

56 क० भूमि गांव ऊगी में जैसा कि विलेख नं० 2650  
जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा  
है ।

मुख्देव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-6-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बठिण्डा

बठिण्डा, दिनांक 18 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-563/नकोदर/79-80—यतः, मुखे,

मुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो ऊगी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या संपत्ति पर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—146GI/79

1. श्री सुरिन्द्र सहाय पुत्र उजाला सहाय गांव ऊगी, तहसील, नकोदर

(अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल सिंह, जगतारसिंह, केवल सिंह, अमर जीत सिंह सपुल दलवाग सिंह, गांव ऊगी, तहसील, नकोदर

(अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

56 क० कृषि भूमि गांव ऊगी में जैसा कि बिलेख नं० 2649 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

मुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बठिण्डा

तारीख : 18-6-79

मोहर :

## प्रकरण धार्मिक टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 जून, 1979

निर्देश सं० ए० पी०-564/79-80/जी० आर० एच०—

यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची हमें लिखा है तथा जो गढ़शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक व हुई किसी भाव की भांति उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किन्हीं भाव या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आशङ्क था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धारा 269, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र कर्म सिंह बासी गढ़शंकर, जिला होशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री देव राज, हरबंस सिंह, सुपुत्र जीवन सिंह बासी रेल्वे रोड, गढ़शंकर, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेंट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजेंट के संबंध में कोई भी याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुकान पी० डब्ल्यू० रोड, गढ़शंकर में जैसा कि विलेज नं० 2560 नवम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजेंट रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-6-79  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून, 1979

निर्देश सं० ए० पी० 565/79-80/बी० टी० आई०—  
यतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री लख कुमार पुत्र लक्ष्मण दास पुत्र बमन लाल, भटिण्डा  
(अन्तरक)
2. मेजर आत्मा सिंह पुत्र ईशर सिंह पुत्र देवा सिंह, गांव  
महल खुर्द, भटिण्डा  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है 'वह व्यक्ति, जिसने  
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 453 ब० ग० अजीत रोड पर जैसा कि विलेख  
नं० 4256 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा  
में लिखा है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-566/79-80/भटिण्डा—यतः, मुझे,  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा  
में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मैं, उक्त के अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री तीर्थ राम पुत्र भगत राम, जी० ए० दर्शन कुमार,  
सीकरी बाजार, भटिण्डा  
(अन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह पुत्र हरबंस सिंह पुत्र बखशी सिंह सी-  
353, बर्मल प्लाट, भटिण्डा  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

शब्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 452 सं० मजीत रोड पर जैसा कि बिलेख  
नं० 4257 दिनांक 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा  
में लिखा है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-567/भटिण्डा/79-80—यत्न,  
मुझे, सुब्रह्मचर्य चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और यजसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा  
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
तथ्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं  
किया गया है:—

(क) प्रन्तरक से हुई किसी मात्र की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उगसे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किता नगर या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन्तर-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में  
वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्या:—

1. श्री राम कृष्ण उर्फ राम दास पुत्र चानन राम पुत्र शिव  
दयालु भटिण्डा  
(प्रन्तरक)
2. श्री नगिन्द्र सिंह पुत्र ईश्वर सिंह पुत्र देवा सिंह गांव  
महल खुर्द, बरनाला  
(प्रन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को सूचना जारी करके प्राप्त समानि के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समानि के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्ता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है

अनुसूची

एक प्लॉट 453 वर्ग गज जोकि अजीत रोड पर जैसा कि  
विलेख नं० 4258 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भटिण्डा में लिखा है।

सुख देव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979  
मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० ए० पी०-568/भटिण्डा/79-80-—यतः,

मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख दिसम्बर 1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से रुके  
नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी धान की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के कारण के  
कारण में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी कितनी धान या किसी अन्य या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये  
में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र भगवान दास पुत्र कला मल, गली  
अफीम वाली, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. मेजर आरमा सिंह पुत्र ईशर सिंह कुलवन्त कौर पत्नी  
निर्मल सिंह, नगिन्द्र सिंह पुत्र ईशर सिंह गांव महल खुर्द,  
बरनाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवृद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त, शर्तों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 488 सं० प्रजीत रोड पर जैसा कि विलेख नं०  
4270 दिसम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में  
लिखा है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 28-6-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० पटियाला/141/78-79—यतः, मुझे, नत्थू राम,  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परचाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले  
(0-16-79 हेक्टर) है, तथा जो गांव छिपड़ी पटियाला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्तित :—

1. श्री गुरिन्दर सिंह ग्रेवाल पुत्र हरदेव सिंह ग्रेवाल वासी  
विक्टरिया स्ट्रीट, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री मनजीत सिंह वासी  
मुहल्ला भाई कीवां, सुनाम शहर, जिला संगरूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है और गांव  
छिपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के बिलेख संख्या 3694, अक्टूबर, 1978 में  
दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) में प्रदान सूचना

आयकर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० पटियाला/145/78-79—यतः, मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 8 मरले है, तथा जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को पूर्णतः, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांग-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरिन्दर सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह ग्रेवाल, वासी बिबरिया रोड, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री उजागर सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी राधो माजरा, पटियाला,

श्रीमती अविनाश सेठी पत्नी श्री एच० पी० सेठी, दुखनिवारन रोड, पटियाला

श्रीमती रविन्दर कौर भल्ला पत्नी श्री मनमोहन सिंह वासी राधो माजरा, पटियाला

व श्रीमती शाम कौर पत्नी श्री तीर्थ सिंह, राधोमाजरा, पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांगो —

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 8 मरले है और जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 3737, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रत्यक्ष प्रक्रियाम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० पटियाला/144/78-79--यतः गुले, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खोला जिसका क्षेत्रफल 164 वर्ग गज है, तथा जो जंड गली, नजदीक चौक पुरानी कोतवाली, पटियाला, में स्थित है (और इसमें उपानव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बजट, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों:--  
6-146GI/79

1. श्री प्यारे गिह गेवाच पुत्र हरनाथ गिह व श्रीमति राजेन्द्र कौर पत्नी प्यारे गिह बामा पटियाला (अन्तरक)

2. मैसर्स अशोका फाइनेंस व चिट फण्ड कम्पनी (रजि०), फोर्ट बाजार, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर दी जाती है कि प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समव्ययी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावस्थाधरी के पास विहित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण -- इनमें यथावस्थाधरी और पक्षों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खोला जिसका क्षेत्रफल 164 वर्ग गज है और जो जंड गली, नजदीक चौक, पुरानी कोतवाली, पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के त्रिलेख संख्या 3734, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979  
मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० पीटीए०/149/78-79—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, तथा जो जड़ गली, फोर्ट बाजार, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच, ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्यारा सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री हरनाम सिंह व श्रीमति राजिन्दर कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह ग्रेवाल वासी पटियाला

(अन्तरक)

2. मैसर्स अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला

(अन्तरिती)

3. मैसर्स अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला, श्री काहन चन्द मारफत अशोका एण्ड कम्पनी, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो जड़ गली, फोर्ट बाजार, पटियाला, में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3814, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त अर्जन (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 जून 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० लुधियाना/78/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० शाप कम फ्लैट नं० 13, मराभा नगर, है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मल सिंह पुत्र श्री गुरबख्श सिंह वासी गांव बोपा राय कला, नहसील लुधियाना (अन्तरक)
2. श्रीमति हरकौर पत्नी श्री शाम सिंह वासी एस० सी० एफ० नं० 13-आई०, मराभा नगर, लुधियाना (अन्तरिती)
3. मैमर्ज नवीन बुक्स एण्ड जनरल स्टोर, एस० सी० एफ० नं० 13-आई०, मराभा नगर, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

शाप कम फ्लैट नं० 13, मराभा नगर, लुधियाना ।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विवेक संख्या 2636, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है) ।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जून 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 13 मार्च 1979

निर्देश सं० का० भ० आय० सी०/अर्जन/90/78-79—

यतः, मुझे, एम० वी० आर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 ब्लाक नं० 'ई' फील्ड नं० है, तथा जो धरमपेट, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती विमला नारायण हेरलेकर 186, अलंगंज, अहमदाबाद (उ० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री वर्णन लालजी महेशकर,

3. श्री अशोक लालजी महेशकर, दोनों रहने वाले, भगवाघर नेआउट, धरमपेट, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धि:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, ब्लाक नं० 'ई', फील्ड नं० 78, धरम पेट, नागपुर ।

एम० वी० आर० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 13 मार्च 1979

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० एम०-104/ए० सी० यू०—प्रतः, मुझे,

अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 29-ए (प्लॉट नं० 31) है, तथा जो हिस्सिज रोड (न्याय मार्ग) इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गहनाज दख्खणा गांधी

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधवी गोखल

(अन्तरितों)

3. श्रीमती माधवी गोखल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती गहनाज दख्खणा गांधी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 29-ए (प्लॉट नं० 31) स्थित हेस्टिंग्स रोड (न्याय मार्ग) इलाहाबाद लीज होल्ड तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 4337 दिनांक 7-7-78 तथा 1-10-78 से 15-10-78 की अवधि के फार्म 37-एच की क्रम संख्या 1 तथा 5-10-78 तथा सेल डीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 7-7-78/अक्टूबर, 1978 में पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

## प्रकृप घाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आर०-131—यतः, मुझे, अमर बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 178-ए है, तथा जो नवख़ास कोना-इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री पन्ना लाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधिका देवी

(अन्तरिती)

3. श्रीपन्ना लाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः समाप्त तः अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान नं० 178-ए जो कि मोहल्ला नवख़ास कोना शहर इलाहाबाद में स्थित है व संपत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी नं० 4444 तथा सेलडीड में वर्णित है तथा जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-10-1978 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० ए-76/अर्जन/79—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 29/69 है, तथा जो मालदहिया वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाँप की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी घन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राधा देवी तथानिया

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार जैगवाल व अन्य

(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति किमके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मय जमीन व इमारत एक बीघा चार बिस्वा चांदाधूर 3157.7 वर्ग मीटर बन्दोबस्त नं० 483 न्यू नं० सी-29/69 स्थित माल दहिया वाराणसी व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 1 9221 में व मेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 25-10-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 57, रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० एस-174/ए० सी० एक्स/अर्जन/79--यतः,  
मंज्रे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 8/33 है, तथा जो पुराना किला लखनऊ  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से  
कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आय-नियमों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फजलुर रहमान

(अन्तरक)

श्रीमती गारदी देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्सवध्वी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बा-  
द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

अगला हिस्सा मकान सं० 8/33 जो कि पुराना किला  
लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि  
फार्म 37-जी सं० 4794 तथा सेल डीड में वर्णित है और सब-  
रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 13-10-1978 को  
दर्ज है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० 801-ग—अतः, मुझे भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्राधिक रूप से सञ्चित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—146 GI/79

श्रीमती शारदा शर्मा धर्मपत्नी श्री रमा कान्त शर्मा  
साकिन शिवमरोवर कालोनी शहर मेरठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती संगीता दुआ धर्मपत्नी डा० जगन्नाथ दुआ  
साकिन 64 बेगम ब्रिज लायर वाली गली जवाहर  
क्वार्टर शहर मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 26 बाके शिवमरोवर कालोनी शहर मेरठ में 60,000/- रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य रु० 1,20,000/- रुपए आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्रकरण प्रा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 644/अर्जुन/इटावा/78-79—प्रतः मुखे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-1978

को पूर्णतया सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के स्तर तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्भविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भूदा या किसी भूत या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात्:—

(1) श्री ईश्वर दास पुत्र हासोभल व पद्मन लाल पुत्र श्रीवामन व मोहन लाल पुत्र ईश्वर दास व भागवन्द पुत्र श्रीवामन व श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्रीवामन, निवासी कस्बा गंधना।

(अन्तरक)

(2) श्री यामुदेव शारदा पुत्र मोहन लाल शारदा निवासी मु० मकसूदपुरा गहर इटावा।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अलोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

अचल सम्पत्ति 18 गोदाम 3 हाल, इमारत मय आफिस कोठरी आदि स्थित मुहल्ला कटरा शमशेर खां शहर इटावा 70000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 150000 रुपए है।

भ० च० चतुर्वेदी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-6-1979

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जून 1979

निर्देश सं० 561/अर्जन/फि० बा०/78-79—यतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिम्मेदारी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1951 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

धतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मेवा पुत्री मोक्षी बेवा गुन्वर सिंह शर्मा निवासी ग्राम अलीपुर तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरक)

2. श्री संमुर खां पुत्र रामजम खां, श्रीमती शरवती देवी स्त्री नेमालाल सिंह निवासी ग्राम अलीपुर तहसील फिरोजाबाद व नरसिंहवाल व सूरज पाल पुत्रगण मोक्षी राय निवासी ग्राम हरदासपुर कांठला तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अर्जन सम्पत्ति कुपि भूमि 6 बीघा 12 बिस्वा 10 बिस्वांसी भिखन मोजा अलीपुर तह० फिरोजाबाद जि० आगरा 36000 रु० में बेची गई जिनका उचित बाजारी मूल्य 76000 रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1979

निर्देश सं० 863/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे,  
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० है, तथा जो

में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
अदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सरदार तीरथ सिंह चड्ढा पुत्र सरदार चरन सिंह  
निवासी नगर कांत कालोनी ईदगाह, आगरा ।  
(अन्तरक)

2. सरदार रवीन्द्र सिंह पुत्र सरदार सरदूल सिंह  
निवासी 24 खम रोड पूना महाराष्ट्र ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अचल गृह सम्पत्ति नं० 39/32-ए नगर कांत कालोनी आगरा  
47,000 रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य  
65,000 है ।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 5-6-1979  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

घातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1979

निर्देश सं० 820-ए—यतः, मुझे भ० च० चतुर्वेदी, आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय या बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र सुखदयाल निवासी 3-ई 84 नेहरू नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सोहन लाल चानना पुत्र सुखदयाल मल चानना गिरीश चानना संरक्षक सोहन लाल चानना 117 तुराव नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**बयवटीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 3-ई/84 नेहरू नगर, गाजियाबाद में 70,000 रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,032 रुपए आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 5-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० 893-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मायापुर हरिद्वार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. भोलानाथ पुत्र श्री किशन चन्द्र निवासी श्रवण नाथ नगर हरिद्वार परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला—सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सरदार मनमोहन सिंह पुत्र सरदार सुर्जन सिंह निवासी गऊघाट हरिद्वार पर० : ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला—सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 1633' वर्ग फुट स्थित श्रवण नाथ नगर मायापुर हरिद्वार पर० : ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर जिले के पूर्व में सड़क, पश्चिम गली, उत्तर गली, दक्षिण मकान राम दास है। जोकि 97000/- रुपए में बेची है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-6-1979

मोहर :

प्रत्यक्ष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० 892-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 193 है, तथा जो ग्राम भोपतवाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में उपाबद्ध या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी या निम्नी या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुभुक्ष मंडल भोपतवाला कलां (हरिद्वार) परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर द्वारा खुशीराम (उप प्रधान) उक्त मण्डल सुपुत्र श्री राम जीवनमल निवासी मोह० राम जीवनमल बाजार बिलकाना रोड, सहारनपुर। (अन्तरक)

2. सनातन धर्म सभा खेडा नगर (अलीगंज) लोधी रोड न्यू देहली द्वारा श्री दाता राम (प्रधान) उक्त सभा सुपुत्र श्री अमीर चन्द्र जी निवासी उक्त सनातन धर्म सभा खेडा नगर अलीगंज लोधी रोड, न्यू देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि जिसका माप तीस फुट गुरान छियासठ फुट आठ इंच क्षेत्रफल 2000 वर्ग फुट है रकबर्ही 1—9 कच्ची भूमि नम्बर खसरा 193 स्थित ग्राम भोपतवाला कलां परगना ज्वालापुर रुड़की पूर्व में सड़क पश्चिम व उत्तर सम्पत्ति नरसिंह दाम दक्षिण संस्कृत विद्यालय है जो कि 85,000/- रुपए में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 8-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जून 1979

निर्देश सं० 888-ए—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो आनन्दपुरी जूही में स्थित है (ओर इससे उदाहरण अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में तथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी की प्राय या किरी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सुधा अग्रवाल, पत्नी श्री के० के० अग्रवाल निवासी 51/35 ग्यागंज, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार गर्ग व पुष्कर लाल अग्रवाल पुत्रगण श्री गिरधारी लाल 21/1 चलाई मोदाल कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति निर्मित प्लॉट नं० 3 आनन्दपुरी जूही, कानपुर जिसका क्षेत्रफल 1829.53 वर्ग फीट है जोकि 1,40,000/- रुपये में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1979

निदेश नं० ए० एस० आर/79-80/66—यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा नं० 18 मिन खसरा नं० 2291, 2293, 2294 जिसका क्षेत्रफल 308 वर्ग गज है जो कि लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है), (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 27 अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—146G1/79

1. श्री किशन कुमार पुत्र श्री घनश्याम दाम निवासी अमृतसर लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अब रोहतक हरियाणा, कोठी नं० 751।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला वन्ती पत्नी श्री माई दाम निवासी अमृतसर लारेंस रोड, दयानन्द नगर कोठी नं० 200।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा नं० 18 मिन खसरा नं० 2291, 2293, 2294, जिसका क्षेत्रफल 308 वर्ग मी० है जो कि लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड, 2745 दिनांक 27-10-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर शहर में कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 6 जून, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1979

निर्देश नं० ए० एस० आर०/79-80/67—यतः मुझे  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी नं० कोठी नं० 40 कोर्ट रोड है तथा जो कि ठाकुर  
महासिंह रोड, अमृतसर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 27 अक्टूबर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंथा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रेम नाथ हांडा पुत्र श्री राधा कृष्ण हांडा  
निवासी कोर्ट रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह पुत्र श्री सुबेदार गुरुबख्त सिंह 40  
ठाकुर महासिंह रोड, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता  
हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिए  
कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 40 जो कि ठाकुर महासिंह रोड, अमृतसर में  
है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2717/1 दिनांक 27-10-78  
आफ रजिस्ट्रार अथवा अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज  
है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 6-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1979

निर्देश नं० ए० एम० आर०/79-80/68—यतः मुझे एम० के० घर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1160/X-5 जिसका क्षेत्रफल 129 वर्ग मीटर है तथा जोकि गली गुजरा ढाब खटीका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदनमोहन खन्ना, राम गोपाल खन्ना, बृज मोहन खन्ना पुत्रान श्री गुरबखश राय खन्ना, गली गुजरा ढाब खटीका और श्रीमती विजय कुमारी पुत्री श्री गुरबखश राय खन्ना पत्नी श्री डी० के० कपूर पालो हिल बांदरा, बम्बई (अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रा रानी हांडा पत्नी जोगिन्दर कुमार हांडा अमृतसर, मकान नं० 1160, गली गुजरा, ढाब खटीका अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1160, जिसका क्षेत्रफल 129 वर्ग मी० है जोकि गली गुजरा ढाब खटीका, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डी० नं० 2588 दिनांक 27-10-78 आफ रजिस्ट्रार अथारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० घर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 जून, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जून 1979

निर्देश नं० ए० एम० आर०/79-80/69—यतः मुझे  
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 42 मिन/79 नया है तथा जो कि कृष्णा स्केयर, अमृतसर, सर गोपाल दाम रोड, अमृतसर में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अक्टूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रत्येक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा वती विधवा श्री मंगवान दास,  
आबदी कृष्णा स्केयर, सर गोपाल दाम रोड,  
अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवन्त कौर विधवा श्री अवतार सिंह  
एडवोकेट निवासी हुसैनपुरा, अमृतसर अब सर गोपाल  
दाम रोड, अमृतसर (अन्तरितो)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार होता  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति हम जायदाद में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा 1—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 42-मिन/79 नया कृष्णा स्केयर, अमृतसर  
सर गोपाल दास रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं०  
2665 दिनांक 24-10-78 आफ रजिस्ट्रार अथारटी अमृतसर  
शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख 7-6-1979

मोहर



प्रकृप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जून 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/553—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-56 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हंसराज सुर्खीजा पुत्र श्री संडाराम सुर्खीजा, क्वार्टर नं० 150 ए० गुरु नानक पुरा, आदर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ गोयनका पुत्र श्री रामदत्त गोयनका निवासी सिमको स्टाफ कालोनी, भरतपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

एक श्रोवन प्लॉट जिसके नम्बर ए-56 है और जो तिलक नगर जयपुर में स्थित है तथा उप पंजिक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2364 दिनांक 18-10-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-6-1979  
मोहर

प्ररूप आई० टी० न० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जुन/455—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० बी-123 बी है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

(1) श्रीमती पान कुमारी बेंद पत्नी श्री मंगल चन्द्र द्वारा  
मुख्तार गुमानमल, तिवाड़ी भवन, एम० आई०  
रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नाथू लाल एवं श्री भवानी शंकर, मकान नं०  
1931, नाहरगढ़ रोड, पुराना बस्ती, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० बी-123, बी मंगल मार्ग, जयपुर का पश्चिमी  
भाग, जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2446 दिनांक 27-  
27-10-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख: 15 जून, 1979  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश संख्या : राज/महा० आ० अर्जन/554—यत् मुझे  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती  
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण व हुई किसी पक्ष को राजा 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के शायिस्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री हरर्जो माली निवासी  
ब्यावर जिला अजमेर (राजस्थान)  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र दुर्गा प्रसाद मंगल,  
2. श्रीराम 3. बस्तीराम 4. मोहन लाल एवं  
श्री सोहनलाल पुत्र श्री रामगोपाल, खेतावत, ब्यावर  
जिला अजमेर (राज०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

छावनी, नवानगर, ब्यावर में स्थित 4 बीघा 2 बिस्वा  
कृषि भूमि जो जिला पंजियक, अजमेर द्वारा क्रमांक 1 दिनांक  
13-10-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जन 1979

निर्देश सं० एल० सी० 298/79-80—यतः मुझे, के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रारकनी अधिकारी के कार्यालय मीनचिचल में  
रजिस्ट्रारकनी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
13-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निम्ने प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उत्तरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था या धियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री श्रीमैफ मत्तार्या (श्री ड० इम्मानुवेल के लिये)  
(अन्तरक)

(2) डा० जोम कुट्टी  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23.30 cents of land with buildings in Sy. Nos. 17/1/2 and  
16/17A/3 of Palai Municipality.

के० नारायण मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979  
मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री आमेक मस्तायी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) डॉ० जोम कुट्टा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

एरणाकुलम, दिनांक 13 जून 1979

निदेश सं० ए० सी० 299/79-80—यतः मुझे, के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मीनचिचल में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक से रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9—146GI/79

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23 सेंट भूमि बिल्डिंग समेत, ए० सी० बाई नं० 17/1/2  
जो पालाई नगरपालिका में स्थित है।

के० नारायण मेनोन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 13 जून 1979

निदेश सं० एल० सी० 300/79-80—यतः मुझे के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित  
है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीनचिवल में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
24-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अधः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीसेफ मत्तायी  
(श्री इम्मानुवेल के लिए)

(अन्तरक)

(2) डा० जोस कुट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

35 सैन्ट भूमि एस०वाई० नं० 17/2/3 और 17/1/2  
जो पालाई नगरपालिका में स्थित है।

के० नारायण मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 13 जून, 1979

निदेश सं० एल० सी० 302/79-80—यतः मुझे के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पालकाट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लकोड में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-10-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) (i) श्री बी० एन० नारायण स्वामी  
(ii) मैसर्स लक्ष्मी एस्टेट (श्री बी० एन० नारायण  
स्वामी द्वारा)  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स सी० पी० आदुम (श्री सी० पी० आदुम  
द्वारा)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

संश्लोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

160 acres of coffee plants area at Muthala made, Palghat.

के० नारायण मेनन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-6-1979  
मोहर

प्राकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० I-रेंज II/कल०/1979-80—मतः

मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए है तथा जो डायमंड हार्बर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्टेट्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कामार जेहान शेकिया बेगम

(अन्तरक)

2. मै० इन्जार् (इन्डिया) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 76, ब्लॉक नं० ई; नियू आलीपुर कलकत्ता प्रेमिसेस नं० 23-ए, डायमंड हार्बर रोड, कलकत्ता—जमीन का परिमाण 1के-2सीएच।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

54, रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहर:



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल/1979-80—यतः मुझे  
एस० सी० यादवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 23ए है तथा जो डायमंड हार्बर रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेंस  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 5-10-78 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्रीमती हमीना जेहान आजमिरी बेगम  
(अन्तरक)2. मै० इन्जार् (इन्डिया) लि०  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 76, ब्लॉक नं० 'ई', न्यू आलिपुर, कलकत्ता  
प्रेमिसेमन 23ए, डायमंड हार्बर रोड, कलकत्ता, जमीन का  
परिमाण 1कै-2सीएचएस० सी० यादव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता  
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहता :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 3/रेंज-II/कल/1979-80—यतः  
मुख्य एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ  
एस्टेट्स में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 18, 10, 1978 (18-10-78) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तातः—

1. श्री आनवार जेहान सुराईया बेगम  
4ए, पाम एवेन्यू, कलकत्ता-17

(अन्तरक)

2. मै० इनजार (इंडिया) लिमिटेड  
160-सी, चितरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 76 ब्लक नं० 'ई', नियू आलिपुर कलकत्ता  
प्रेसिडेंसी नं० 23ए, डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता। जमीन  
का परिमाण-1 के 82सीएच

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-II  
54, रफी अहमद क़िद्वर्दी रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-4-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 21 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 467/ए०कु०रे०SSS/79-80/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 30 ए० है तथा जो कालीघाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बृजेन्द्र नाथ गुप्त (2) श्रीमती चिन्ता गुप्त (3) श्री अनन्तर नाथ गुप्त (4) श्रीमती सुधा गुप्त (5) श्री शिशिर कुमार गुप्त (6) श्री समर कुमार गुप्त (7) श्री शंकर गुप्त (8) श्री सचीन्द्र गुप्त (9) श्री सुहृत् कुमार सेन (अन्तरक)

(2) श्री सौमेन्द्र नाथ सेन 128 बी० हरिश्चन्द्रमूर्खार्जी रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा दोतल्ला मकान राथ 6 कट्टा जमीन जो 30 ए० कालीघाट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है और जो दलील सं० I4841/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54, रफी अहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

तारीख: 21-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 27-4-1979

निर्देश सं० 468/ए कु रे-III/79-80/कल०—अन० मुझे  
भास्कर सेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो उडबार्न रोड कलकत्ता-1 में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए धनस्तति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बोझ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/वा

• (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में;  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० रामगुप्ता तदर्थ प्रा० निमि० 148  
कटन स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) मै० मालवलाय एपार्टमेंट प्रा० निमि० 3  
उडबार्न रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 18 कट्ठा 16 छटाक 35 स्को० फुट जमीन साथ  
उस पर बनाया मकान जो सं० 3, उडबार्न रोड,  
कलकत्ता पर अब स्थित।

भास्कर सेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —

(1) श्रीमति सुनीति बाला दाम 33/3/डी०, चेतला  
सेन्दल रोड, कलकत्ता-27

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 7-5-1979

(2) श्री कृष्णा बद्योपाध्याय 9/बी०, मदनन्द रोड,  
कलकत्ता-26 (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19—यतः मुझे, एम०  
सी० यादव,यापन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 400/365 है तथा जो पशुपति भट्टाचार्य  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार अलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-  
1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—146GI/79

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पशुपति भट्टाचार्य रोड पर स्थित तीन कट्टा, 10 छटांक  
और पांच बर्गफुट जमीन, जिसका होलिडिंग नं० 400/365  
है तथा जो मौजा मुमुदपुर थाना बेटसा में है।

एस० सी० यादव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज,

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 7-5-1979

मोहर :

राजपत्र आई. टी. एन. एम.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8-5-1979

निर्देश सं० ए० सी० 16/रेंज-IV/कल०/1979-80—अतः मुझे, एम० के० दास गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खनिश्रव सं० 142 है तथा जो मौजा रघुनाथपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्नापुर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रसारण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रसारण में हुई किसी प्राय की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे अवन में सूचना के लिए; ५/२/७९

(ख) ऐसी किसी प्राय या हिस्सा घन या अन्य आस्तियों का; जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बरदा प्रसाद नस्कार, कार्लोपद नस्कार वृष्ण चन्द्र नस्कार, राम कान्ता नस्कार, मानिकचन्द्र नस्कार । (अन्तरक)

(2) श्रीमोत मुशला कानोडिया तथा श्री अनुप कानोडिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मौजा रघुनाथपुर थाना राजारहाट, जिला 24, परगणा, खतिप्रान सं० 142, दाग सं० 210, 210/832, 211 जे० एल० सं० 8 के अन्तर्गत 1 बीघा 6 कठ्ठा 14 छटाक जमीन के संबंध कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० 6034 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एम० के० दास गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता  
54, रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8-5-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 11-5-1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज II/कल०/19—यतः मुझ,  
एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27/26 है तथा जो डायमण्ड हार्बर  
रोड पर स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब  
रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन विष्मन्निहित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी प्रसाद घोष 57 बी०, गरुवा रोड,  
बालीगंज, कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) श्री भूपतीश राय चौधरी पी०-16/4/1, पूर्ण  
दाम रोड, कलकत्ता-29 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

Land measuring 11-cottahs, 6-chittaks & 38-sq. ft. with  
temporary structures being premises No. 27/26, Diamond  
Harbour Road, Calcutta-34.

एस० सी० यादव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज]

54, रफीअहमद कदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-5-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 मई 1979

निदेश सं० ए०सी० 6/रेंजII/कल०/1979-80—यतः मुझे,  
एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या 8 बी० है तथा जो मोमिनपुर रोड,  
कलकत्ता-23 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-10-  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आधिकार में नमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
उप-धारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्ता:—

(1) श्री गविन्द लाल सरकार

(अन्तरक)

(2) श्री शोख मईन आखतार

(अन्तरिती)

(3) श्री उम्रीकृष्णन और अदारस (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पाग लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

Land measuring three & a half cottahs with two-storeyed  
brick built building being premises No. 8/B, Mominpore  
Road, Calcutta-23.

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II,  
54, रफीअहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11-5-79  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) मै० अलकयेमोन बैंक, नेदाल्याड़, एन० बी०  
(अन्तरक)प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना(2) मै० जे० दमास एण्ड कं० (प्रा०) लि०  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1979

उक्त सम्पत्ति के पंजीन क सम्बन्ध में कोई भी प्रश्न :—

निदेश सं० ए० सी० 7/रेंज /कल०/19—यतः मुझे, एस०  
सी० यादव(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समान होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-खके अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 8-6-1 है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार  
आफ एश्वोरेंसम, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए  
तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्पत्ति के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रयोग में दिया  
गया है।

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के  
अधिनियम में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधे प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;Flat No. 32, premises No. 8/6/1, Alipore Road, Calcutta,  
with Garage & Servant's Quarters.

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 54, रफीअहमद किववाई रोड

कलकत्ता-16

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-5-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० एस० सी० 8/रेंज/कल०/1979-80—यतः  
मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ----- है तथा जो मौजा पश्चिम वरिशा  
पि० एस० बेहाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जयेन्द्र साव रजिस्ट्रार आलिपुर, बेहाला में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 6-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित:—

(1) श्री अमलेश चौले, जालालपुर पि० एस० फलता,  
24 परगनास (अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द मोहन वानाजी 34-ए० जयनुरीन  
मिली लेन, कलकत्ता-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा पश्चिम वरिशा पि० एस० बेहाला में अवस्थित  
मकान है। जमीन का परिमाण .04 डेसिमल (.04 Dec.)

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 15-5-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 17/रेंज IV/कल०/1979-80—यतः मुझे,  
एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० तौजि सं० 146 है तथा जो थाना-बारासात, जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासात के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्दलाल श्रीमनी, जगन्नाथ श्रीमनी श्याम  
मुन्दर श्रीमणी तथा नीलरत्न श्रीमणी  
(अन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ मिह, काशीनाथ मिह, शितल प्रसाद सिंह  
तथा श्रीमती पियारी मिह  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी याचनेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिदबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तौजी सं० 146, मौजा-बरबरिया थाना-बारासात जिला-24 परगना में स्थित 3.55 एकड़ जमीन के सब कुछ, जैसे के 1978 का दलिल सं० 2567 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 18-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 18/रेंज- /कल/1979-80—यतः  
मुख्य, एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तौजि सं० 146 है, तथा जो थाना बारासात,  
जिला-24 परगना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बारासात में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 3-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का  
पश्चद् प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए उय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्दलाल श्रीमती, जगन्नाथ श्रीमती, प्रियाम सुन्दर  
श्रीमती, नील रतन श्रीमती ।

(अन्तरक)

2. श्री केदारनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह, शीतल प्रसाद सिंह,  
श्रीमती पियारी सिंह

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

थाना बारासात, जिला 24 परगना, मौजा बरबोरिया,  
तौजि सं० 146 में स्थित 3.52 एकड़ जमीन के सब कुछ, जैसे  
कि 1978 का दलिल सं० 5774 में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है ।

एम० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- कलकत्ता ।

तारीख : 18-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 19/रेंज-IV/कल०/1979 80—यतः

मुझे, एम० के० दाम गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पि०-175 है तथा जो ब्लक सि, बागुर, एबेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन प्रार्थितः—

11-145 GI/79

1. श्री प्रभात कुमार घोष

(अन्तरक)

2. श्री दयामय बनर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिहुबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पि० 175, ब्लाक सी०, बांगुर एबेन्यू, कलकत्ता का 3 कट्टा, 8 छटांक, 3 स्को० फिट जमीन साथ उस पर स्थित मकान का सब कुछ जैसे कि 1978 का दलिल सं० 4792 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

एम० के० दाम गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक : 18-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के द्वारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 20/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी होल्डिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड, थाना  
कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का गबन उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी धन या अन्य आम्नितया  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य । (अन्तरक)
2. श्री अमरनाथ भट्टाचार्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में  
दिया गया है ।

#### अनुसूची

17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोबिन्द सड़क थाना  
कोतवाली, जिला नदिया का 0.17 एकड़ जमीन साथ मकान  
का अविभाजित 1/4 हिस्सा, जैसे कि 1978 का दलिल सं०  
9592 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 21/रेंज-IV/कल०/1979-80---यतः,

मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी होलिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड, थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आर या किसी धन या धन्य-चास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य। (अन्तरितो)

2. श्री विश्वनाथ भट्टाचार्य। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश पत्राति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होलिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द सड़क, थाना, कोतवाली, जिला नदिया का 0.17 एकड़ जमीन साथ मकान का अधिभाजित 1/6 अंश, जैसे कि 1978 का दलिल सं० 9593 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-19

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रकाशित: टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 22/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः

मुझे, एस० के० दाम गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० मनमोहन घोष रोड, थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अथवाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:--

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य

(अन्तरक)

2. श्री मती सुजाता भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

होलिडिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द सड़क, थाना कोतवाली, जिला नदिया, का 0.17 एकड़ जमीन का अविभाजित 1/6 अंश जैसे कि 1978 का दलिल सं० 9594 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दामगुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 22-5-1979

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अमरनाथ भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

निर्देश सं० ए० सी० 23/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी होल्डिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड,  
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 20-10-1978 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) प्रन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति में  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अ, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

होल्डिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द  
मड़क, थाना कोतवाली जिला नदिया, का 0.17 एकड़ जमीन  
साथ मकान का अविभाजित 1/6 अंश के सब कुछ जैसे के  
1978 का दलिल संख्या 4246 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 24/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी होलिंग सं० 17 है तथा जो मनमोहन घोष रोड,  
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 20-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री वैद्यनाथ भट्टाचार्य (अन्तरक)

2. श्रीमती छाया भट्टाचार्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

होलिंग सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द  
सड़क, थाना कोतवाली, जिला नदिया का 0.17 एकड़ जमीन के  
साथ मकान के अधिभाजित 1/6 अंश के सब कुछ जैसे कि 1978  
का दलिल सं० 4247 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख 22-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सं० एस०आई० 496/टी०आर०-448/सी-404/  
कल०-1/78-79—यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो मेरिडियन स्ट्रीट कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 6-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्ति को  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वि-  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री प्रेम कुमार भाटिया
- (2) श्रीम प्रकाश भाटिया
- (3) प्रद्युम्न भाटिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता चोपड़ा
- न्यू इस्टर्न मटर गेराज

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रभ्य व्यक्ति द्वारा प्रघोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— समें प्रयुक्त गणों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 12 छटांक 7 स्का० फूट जमीन सम्पत्ति  
जो 3 मेरिडियन स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार  
आफ, एगुरेन्सिम, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं०  
I-4857 दिनांक 6-10-1978।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख 22-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मई, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 25/रेंज-IV, /कल०/1979-80—यतः  
मुझे एस० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० होल्डी सं० 17 है, तथा जो मनमोहन घोष रोड,  
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना अविवेचना, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्त-  
रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बंघनाथ भट्टाचार्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिजली भट्टाचार्य

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

होल्डी सं० 17, मनमोहन घोष रोड, मौजा 94, गोविन्द  
सड़क, थाना कोतवाली, जिला नदिया, का 0.17 एकड़ जमीन  
साथ में मकान का सब कुछ जैसे क० 1978 का दलिल सं०  
4248 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 22-5-1979

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई, 1979

निर्देश सं० 474/एक्यूरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे  
भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3 बि० तिनतला पर है तथा जो  
33 ड., राजेन्द्र रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 20-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती  
(घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातु :—  
12 —146GI/79

1. अनामिका बिल्डिंग प्रा० लिमिटेड

20 गणेशचन्द्र एभिन्नु कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री परमजीव सिंह ग्रेवाल अमरजीव सिंह ग्रेवाल

33 ड. राजेन्द्र रोड कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

हरबदोहरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समुचा प्लॉट सं० 3 बि० तिनतला पर जो पौर सं० 33ड  
में राजेन्द्र रोड कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख 25-5-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 27/अंज-IV/कल०/1979-80—यतः  
मुक्षं एस० के० दाम गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापक मरति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है, तथा जो राम बिहारी एवेन्सु, थाना टालिगंज, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. निम्नलिखित तालिका के अनुसार।

- (1) अमल चरण मुखर्जी
- (2) निलकान्त मुखर्जी
- (3) श्रीकान्त मुखर्जी
- (4) श्रीमती पारुलबाला मुखर्जी

- (5) तुलसीदास मुखर्जी
- (6) प्रदीप कुमार मुखर्जी
- (7) दुर्गादाम मुखर्जी
- (8) देबदाम मुखर्जी
- (9) दबीजदाम मुखर्जी
- (10) हरिदाम मुखर्जी
- (11) अक्षय मुखर्जी
- (12) मिलि मुखर्जी
- (13) श्रीमती रमाराणी मुखर्जी
- (14) पूर्णिमा मुखर्जी
- (15) श्रीमती ज्योत्सना मुखर्जी
- (16) श्रीमती आर्थेसा बनर्जी
- (17) श्रीमती चिन्मयी देवी
- (18) श्री प्रमान्न कु० मुखर्जी
- (19) जर्नाल
- (20) श्रीमती कल्पना चटर्जी
- (21) बिगम्बर, बनर्जी
- (22) प्रतिभा बनर्जी

(अन्तरक)

2. मसमै डि० एन० कन्स्ट्रक्शन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

3. श्री आसित बनर्जी और शीतला तला अथलेटिक क्लब तालिका

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34, रासबिहारी एवेन्सु, थाना टालिगंज, कलकत्ता का 8 कट्टा 94 छाटांक जमीन साथ मकान का अविभाजित आधा अंश के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलिल सं० 1007 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एस० के० दाम गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख 5-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 28/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः

मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है तथा जो राम बिहारी एवन्सु, थाना टालिगंज, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) अमल चरण मुखर्जी
- (2) निलकान्त मुखर्जी
- (3) श्रीकान्त मुखर्जी
- (4) श्रीमती पारुलवाला मुखर्जी
- (5) तुलसीदास मुखर्जी
- (6) प्रदीप कुमार मुखर्जी

- (7) दुर्गादास मुखर्जी
- (8) देवदास मुखर्जी
- (9) देवीज दास मुखर्जी
- (10) हरिदास मुखर्जी
- (11) अक्षय मुखर्जी
- (12) मिलि मुखर्जी
- (13) श्रीमती रमाराणी मुखर्जी
- (14) पूर्णिमा मुखर्जी
- (15) श्रीमती ज्यात्सना मुखर्जी
- (16) श्रीमती आर्यमा बनर्जी
- (17) श्रीमती विन्मथी देवी
- (18) श्री प्रणान्त कु० मुखर्जी
- (19) जर्नाल
- (20) श्रीमती कल्पना चटर्जी
- (21) दिगम्बर बनर्जी
- (22) प्रतिय बनर्जी

(अन्तरक)

2. श्री नृपेन्द्र कृष्ण राय्य तथा श्रीमती प्रतिमा राय

(अन्तरिती)

3. श्री अमित बनर्जी तथा शीतलातला

अथैलैटिक क्लब

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

34. रामबिहारी एवन्सु, थाना टालिगंज, कलकत्ता में 8 कट्ठा, 14 छटांक जमीन, साथ मकान का अविभाजित आधी अंश के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलिल सं० 1006 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 5-6-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० एम० आर० एम०/10/78-79--प्रतः, भूमे, रवन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज, रोहतक,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० VI-3365, नौहरिया बाजार, नौहरिया गेट है, तथा जो मिरमा में स्थित है] (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरमा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :--

(1) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री ओंकार सिंह पुत्र श्री वृंटा सिंह निवासी मिरमा । (अन्तरक)

2. श्री राम तीर्थ पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी मकान नं० VI-3365, नौहरिया बाजार, नौहरिया गेट, मिरमा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० VI-3365 सहित 2 दुकानें जोकि नौहरिया बाजार नौहरिया गेट मिरमा में स्थित है तथा जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता मिरमा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3938 तिथि 24-10-1978 पर दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-6-1979

मोहर :



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th June 1979

No. A.32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Controller (D.P.) in the office of Union Public Service Commission for the period from 5.6.79 to 31.8.79 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM,  
Deputy Secretary,  
for Chairman,  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri J. L. Kapur.
2. Kumari Santosh Handa.

S. BALACHANDRAN  
Under Secretary,  
for Chairman  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier.

The 5th June 1979

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office (R&S) in the Commission's office for period from 2.6.1979 to 31.8.1979, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

S. BAI ACHANDRAN,  
Under Secretary,  
for Secretary,  
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th June 1979

No. M-5/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri M. G. Katre, IPS (1952-Maharashtra), presently Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 5.6.79 and upto 31.5.1980.

The 21st June 1979

No. V-2/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri V. R. Lakshminarayanan, IPS (1951 : Tamil Nadu), presently Joint Director in the Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, as Additional Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 14th June, 1979 and until further orders.

HERO A. SJILANEY,  
Administrative Officer (E),  
C.B.I.

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILLS

Hoshangabad, the 13th June 1979

No. P.F. No. PD/6/2535.—Shri C. P. Bhafia Foreman (P) is promoted on an *ad hoc* basis w.e.f. 8-5-79 (F.N.) to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 *vice* Shri M. Padmanabhan, A.W.M. proceeding on leave for 31 days from 7-5-79 to 6-6-79. His pay has been fixed @ Rs. 880/- P.M. under F.R. 22(c).

S. R. PATHAK,  
General Manager.

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 2nd July 1979

No. B(51)/All.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Madhukar Bayaji Bobade, Technical Officer (PI) to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Govt. of India Text Books Press, Chandigarh, with effect from the forenoon of 12th June, 1979, until further orders.

No. R(22)-All.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Gulshan Rai Rakheja, Technical Officer (PL), as Deputy Manager (PL), Govt. of India Photolitho Press, Faridabad, with effect from the forenoon of 23rd May, 1979 until further orders.

P. B. KULKARNI  
Joint Director (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
KERALA

Trivandrum-695001, the 11th June 1979

No. Estt/Fntt/V1/10-3.—Shri N. P. Natrajan, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the AN of 31st May, 1979.

P. G. N. NAMPOOTHIRI,  
Accountant General.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICE

New Delhi, the 20th June 1979

No. 1356/A-Admn/130/79.—On attaining the age of superannuation Shri S. V. Jagannathan, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 31-5-1979 (A.N.).

No. 1357/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri R. B. L. Saxena, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Director of Audit, Defence Services, New Delhi, with effect from 15-6-79 (F.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK,  
Joint Director of Audit.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 12th June 1979

No. 34/G/79.—On attaining the age of superannuation the under noted officers retired from service with effect from the date shown against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Date of retirement
1.	Shri B. K. Ghosh, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st August, 1976 (AN)
2.	Shri Rup Singh, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st January, 1978 (AN)
3.	Shri K. Ramanathan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman).	31st May, 1978 (AN)
4.	Shri K. K. Bhattacharjee, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30th June, 1978 (AN)
5.	Shri S. Mukherjee, Permt. Manager	31st July, 1978 (AN)

Sl. No.	Name and Designation	Date of retirement	Sl. No.	Name and Designation	Date of retirement
6.	Shri J. S. Siddu, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st July, 1978 (AN)	29.	Shri G. S. Saini, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	28th February, 1979 (AN)
7.	Shri N. B. Sarkar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st July, 1978 (AN)	30.	Shri S. K. Kar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	28th February, 1979 (AN)
8.	Shri S. N. Roy Choudhury, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30th September, 1978 (AN)	No. 35/G/79—Shri R.C. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman) voluntarily retired from service w.e.f. 31-10-1978 (AN)		
9.	Shri S. P. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Staff Asstt.)	30th September, 1978 (AN)	No. 36/G/79—Shri S. N. Gupta, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager) after re-employment of service for one year w.e.f. 21-1-77 retired from service w.e.f. 31-1-78 (AN).		
10.	Shri K. P. Guha Roy, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30th September, 1978 (AN)	No. 37/G/79—Shri K. D. Malhotra, Permt. Deputy General Manager after re-employment of service for six months w.e.f. 1-9-78 retired from service w.e.f. 28-2-79 (AN)		
11.	Shri S. R. Chakraborty, Offg. Manager (Subst. & Permt. Dy. Manager)	30th September, 1978 (AN)	V. K. MEHTA ARG/ESTT, for Director General Ordnance Factories		
12.	Shri C. A. Vaz, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st October, 1978 (AN)	Calcutta, the 15th June 1979		
13.	Shri H. L. Sharma, Offg. Manager (Subst. & Permt. Deputy Manager)	31st October, 1978 (AN)	No. 30/79/G.—The President is pleased to grant extension in service of six months to Shri S. S. Basu, Dy. D.G.O.F./OEF w.e.f. 21.3.79.		
14.	Shri B. K. Pillai, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager)	31st October, 1978 (AN)	V. K. MEHTA, Asstt. Director General, Ordnance Factories		
15.	Shri T. M. Sundareshan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Staff Officer)	30th November, 1978 (AN)	MINISTRY OF LABOUR		
16.	Shri K. R. G. Nair, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30th November, 1978 (AN)	Simla-171004, the June 1979		
17.	Shri T. D. Mallo, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30th November, 1978 (AN)	No. 23/3/79-CPL—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by two points to reach 339 (three hundred and thirty nine) during the month of May, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of May, 1979 works out to 412 (four hundred and twelve).		
18.	Shri B. V. Ghamande, Offg. Asstt. Manager, (Subst. & Permt. Storeholder)	31st December, 1978 (AN)	TRIBHUVAN SINGH, Deputy Director Labour Bureau		
19.	Shri P. C. Shingla, Offg. ADGOF Gr. I (Subst. & Permt. ADGOF, Gr. II)	31st December, 1978 (AN)	MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION		
20.	Shri G. N. Banerjee, Offg. Manager (Subst. & Permt. Dy. Manager).	31st December, 1978 (AN)	(DEPARTMENT OF COMMERCE)		
21.	Shri B. P. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st December, 1978 (AN)	OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS		
22.	Shri R. C. Dutta, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st December, 1978 (AN)	New Delhi, the 18th June 1979		
23.	Shri G. C. Banerjee, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st December, 1978 (AN)	IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)		
24.	Shri D. N. Dutta, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager)	31st December, 1978 (AN)	No. 6/396/56-Admn(G)/4499.—On attaining the age of superannuation Shri B. V. Sabnis, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Im- ports and Exports, Bombay relinquished charge of the post on the afternoon of the 31st May, 1979.		
25.	Shri T. S. Kohli, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager)	31 December, 1978 (AN)	RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller of Imports and Exports, for Chief Controller of Imports and Exports.		
26.	Shri P. K. Ghosh, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st December, 1978 (AN)			
27.	Shri J. Chakraborty, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31st January, 1979 (AN)			
28.	Shri K. C. Paul, Permt. Manager	31st January, 1979 (AN)			

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 21st June 1979

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri K. P. Das, Assistant Director (Exports) Group 'B' as Assistant Director (Economic) Group 'A' (Gazetted) in the Scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- in an *ad-hoc* officiating capacity in this office w.e.f. 14.5.79 (F/N) to 30-6-79 (A/N) *vice* Shri D. N. Sinha proceeded on leave.

T. S. CHAKRABARTI,  
Executive Officer.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 21st May 1979

No. 12(667)/70-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Economist in the Delhi Development Authority, Shri P. V. Thomas relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in the Small Industry Development Organisation on the afternoon of 30th April, 1979.

The 23rd May 1979

No. 12(34)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri J. N. Shivdasani, Director (Gr. II) Mechanical Small Industries Service Institute, Nagpur as Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Nagpur on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 27th May 1979

No. 12(314)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. B. Jakhethia, Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Indore to officiate as Director (Gr. I) (Mechanical) on *ad-hoc* basis in Small Industries Service Institute, Indore with effect from the forenoon of 25th April, 1979.

The 28th May 1979

No. 12(444)/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Chadha, Asstt. (Gr. I) (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) to officiate as Deputy Director (IMT) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) on *ad-hoc* basis for the period from 28th April, 1979 to 31st July, 1979.

No. A-19018/227/75-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation as Expert to the Small Industries Development Organisation, Tanzania, for two years, Shri M. D. Padnekar, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation) in the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the 21st December, 1978 (afternoon).

The 30th May 1979

No. 12(358)/62-Admn.(G).—Consequent upon his posting in the Planning Commission as Senior Research Officer, Shri Bhagwat Dayal, a Gr. III Officer of I.E.S. relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 9th May, 1979.

No. A-19018/420/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bhardwaj, a Grade III Officer of the I.E.S. and Deputy Director (Planning and Research) in the All India Handicrafts Board, New Delhi, as Deputy Director (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 3rd May, 1979, until further orders.

H. L. JUNEJA,  
Deputy Director (Admn.)

New Delhi-110011, the 14th June 1979

No. A-19018(230)/75-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, is pleased to appoint Shri J. R. Malhotra, permanent Superintendent in the Small Industries Service Institute, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on an *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 10th May, 1979.

M. P. GUPTA,  
Deputy Director (Admn.)

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 19th June 1979

No. 14/4/79-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that on fee shall be charged for entry into Tajmahal, Agra on the following days on account of celebrations of annual 'URS' of Emperor Shahjahan :—

- (1) 23-6-79 from 2.00 P.M. to Midnight.
- (2) 24-6-79 Full day (i.e. from 7.00 A.M. to 5.00 P.M.)

K. V. SOUNDARA RAJAN,  
Director (Monuments),  
for Director-General.

## KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

New Delhi, the 12th June 1979

No. 3-48/79-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of Superintendent (Grade I) are further continued beyond 28.2.1979 upto 31.7.79.

B. N. CHADHA,  
Director of Administration.

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd June 1979

No. PPED/3(262)/78-Adm./8944.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. O. Ouseph, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 30, 1979 to the afternoon of June 2, 1979 *vice* Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

The 6th June 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm. 9140.—Reference is invited to this Division's notification of even number dated April 27, 1979 regarding continuance of officiating appointment of Shri P. Vasu, a permanent UDC of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer upto the afternoon of May 5, 1979. Shri Vasu has been permitted to continue to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity upto the afternoon of May 25, 1979.

The 12th June 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./9337.—In continuation of this Division's notification of even number dated April 17, 1979, Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 19, 1979 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 25, 1979.

B. V. THATTE,  
Administrative Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 5th May 1979

No. Ref. DPS/23/1/79/Est./2586.—In continuation of this Directorate Notification No. DPS/23/1/79/Est./10327 dated April 9, 1979 the Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri K. Raveendran, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate, with effect from the afternoon of April 1, 1979 to the afternoon of April 30, 1979.

The 20th June 1979

No. Ref. DPS/23/1/79/Est./16540.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 5, 1979 the Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri K. Raveendran, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad hoc* basis for a further period upto the afternoon of June 6, 1979.

B. G. KULKARNI,  
Assistant Personnel Officer.

HEAVY WATER PROJECT

Bombay-400 008, the 18th June 1979

No. HWP/Estt/1/K-48/3054.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects appoints Shri Shrikrishna Shihari Khanolkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Bombay Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office from May 9, 1979 (FN) to June 8, 1979 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer, in Heavy Water Projects (Central Office).

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 2nd June, 1979

No. A. 32023/1/77-R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis to the posts mentioned against each with effect from the forenoon of May 21, 1979 to June 20, 1979.

Sl. No.	Name and Designation	Substantive post	Promoted to officiate as
1.	Shri R. Rajamani Asstt. Accts. Officer	Upper Division] Clerk, Bhabha Atomic Research Centre	Accounts Officer-II
2.	Shri K. Narayana-murthy Asstt. Accountant	Asst. Accountant RRC	Asst. Accounts Officer

P.V. SOMANATHAN  
Chief Administrative Officer  
for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th June 1979

No. E(1)03800.—On attaining the age of superannuation Shri B. N. Dhanakumaran, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

No. E(1)03851.—On attaining the age of superannuation Shri B. B. Sen, Meteorologist Grade II, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

No. E(1)03871.—On attaining the age of superannuation Shri Amin Singh, Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

G. R. GUPTA, Director  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 16th June 1979

No. A.32013/9.78-FC.—The President is pleased to appoint Shri H. A. Shetty, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bangalore to the grade of Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 21-5-79 (FN) for a period of six months and to post him in the office of the Director, Radio Const. and Development Units, New Delhi.

The 22nd June, 1979

No. A-38012/1/79-EC.—The undermentioned two Assistant Technical Officers relinquished charge of Office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri I. M. Sen	Aero. Comm. Stn. Port Blair	30-9-78 (AN)
2.	Shri C. P. Apte	Aero Comm. Stn. Bombay	31-5-79 (AN)

No. A. 32013/7/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 29-12-78, 16-1-79 and 14-2-79, the President is pleased to sanction the continuance of *ad hoc* appointment of the following four Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer beyond the dates mentioned against each for a further period upto 31-8-79 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier:—

S. No.	Name	Station of posting	Period of extension
S/Shri			
1.	P.S. Mullick	Regional Controller of Communication Calcutta.	Beyond 20-5-79
2.	Vijay Panwar	Aero. Comm. Stn. Palam.	Beyond 20-5-79
3.	K. K. Narayan	Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 1-6-79
4.	A. K. Bansal	Director, Radio: Const. & Dev. Units. New Delhi.	Beyond 5-7-79

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd June 1979

No. A-12026/1/79-ES.—The President is pleased to appoint on the basis of transfer on deputation of Flight Lt. A. S. Bhardwaj of the Indian Air Force to the grade of Co-pilot in the Civil Aviation Department with effect from 4-6-1979 (Fore-noon) until further orders.

No. A-40012/1/79-ES.—Shri L. C. Ajmani, Assistant Aircraft Inspector in the Office of the Controller of Aeronautical Inspection Hyderabad retired from Government Service under FR 56(J) on the forenoon of 6th June, 1979.

S. L. KHANDPUR

Assistant Director of Administration

New Delhi, the 13th June 1979

No. A-32014/1/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the dates mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

S. No.	Name	Date
1.	Shri M. S. Rawat	17-5-79
2.	Shri N. C. Edborne	14-5-79
3.	Shri A. C. Jassal	21-5-79
4.	Shri D. K. Jain	14-5-79
5.	Shri R. Sampat	25-5-79
6.	Shri Gurmukh Singh II	14-5-79
7.	Shri B. R. Samtani	21-5-79
8.	Shri Shyamal Sen Gupta	14-5-79
9.	Shri B. B. Das	14-5-79

V. V. JOHRI

Asstt. Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 21st June 1979

No. 1/460/79-Est.—Shri P. Mukherjee, who was appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in Calcutta Branch on ad-hoc basis, with effect from the 3rd April, 1978, has been reverted to his original post of Technical Assistant in Calcutta Branch, with effect from the afternoon of the 30th April, 1979.

## SCHEDULE

Name of post	Number of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non selection post	Age for direct recruits
1	2	3	4	5	6
1. Senior Assistant (Architectural Department)	1	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 700-30-760-35-900.	Selection	Not applicable
2. Assistant (Architectural Department) Selection Grade.	17	General Central Service Group 'C' Non-Industrial	Rs. 550-20-650-25-750.	Selection	Not applicable
3. Assistant (Architectural Department) Grade I	76	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-1560-20-700.	Non Selection	Not applicable

No. 1/477/79-EST.—Shri Arun Iot Malhotra, Temporary Assistant Engineer, D.T.S., Poona, was permitted to resign his appointment with effect from the forenoon of the 9th March, 1979.

P. K. G. NAYAR, Dir. (Admn.)

for Director General

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 20th June 1979

No. 33/9/76-ECI.X.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Central Public Works Department (Central Office) Assistants (Architectural Department) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Application.*—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to the rules.

3. *Number, classification and scale of pay.*—The number of posts, their classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. *Method of recruitment, age limit, qualifications etc.*—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. *Disqualifications.*—No person.—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to the said post ;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the Personnel law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

6. *Power to relax.*—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. *Saving.*—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

S. RANGANATHAN, Under Secy.

1	2	3	4	5	6
4. Assistant (Architectural Department) Grade. II	81	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Not applicable	Between 18 and 28 years. The upper age relaxable upto 35 years in the case of Government servants. (The crucial date for determining the age limit will in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).
Educational and other qualifications required for direct recruitments.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation.	Method of recruitment whether by direct recruitment, by promotion or by deputation or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/ deputation/ transfer grades from which promotion deputation transfer are to be made.	
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
1. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	1. Assistant (Architectural Department) (Selection Grade) with 5 (five) years' regular service in the grade.	
2. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	Assistant (Architectural Department) Grade I with 5 years' regular service in the grade and Assistant Grade. II with 8 years' regular service in the grade.	
3. Not applicable	Not applicable	2 years	By promotion	Assistant Grade II (Architectural Department) (Ordinary Grade) (Rs. 330-560) with 5 (five) years' regular service in the grade.	
4. Intermediate in Architecture (Recognised Course).	Not applicable	2 years	Direct Recruitment.	Not applicable.	
If a D.P.C. exists what is its composition.				Circumstances in which UPSC is to be consulted in making the recruitment.	
(12)				(13)	
1. Group 'C' DPC consists of :—				Not applicable	
1. Chief Architect . . . . . —Chairman					
2. Director of Administration . . . . . —Member					
3. Senior Architect . . . . . —Member					
2. 1. Chief Architect . . . . . —Chairman				Not applicable	
2. Director of Administration . . . . . —Member					
3. Under Secretary or officer of equivalent rank from the Min. of Works & Housing . . . . . —Member					
3. 1. Chief Architect . . . . . —Chairman					
2. Director of Administration . . . . . —Member				Not applicable	
3. Under Secretary or officer of equivalent rank from the Min. of Works & Housing . . . . . —Member					
Group C' DPC					
4. 1. Senior Architect . . . . . —Member				Not applicable	
2. Deputy Director of Administration . . . . . —Member					
3. Architect . . . . . —Member					
4. One officer belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes of the rank of any one of the above three officers will be associated with the DPC					

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE &amp; COMPANY AFFAIRS

## DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Escorts Farms Hatcheries Private Limited*

New Delhi, the 22nd June 1979

No. 5989/9444.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Escorts Farms Hatcheries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. C. GUPTA.  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Kapurthala Property Chit Fund & Finance Pvt. Ltd.*

Jullundur, the 26th June 1979

No. G/Sat/560/3001/2423.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kapurthala Property Chit Fund & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL.  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Tideman & Co. (India) Private Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 3709/11q.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Tideman & Co. (India) Private Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 26-7-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Joshi Trading Co. Pvt. Ltd.*

Bombay, the 20th June 1979

No. 8821/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Joshi Trading Co. Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 2-10-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Eldee Wire Ropes Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 12553/11q.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Eldee Wire Ropes Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 12-7-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Emjay Finance Pvt. Ltd.*

No. 13254/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Emjay Finance Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 5-10-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ambika Glass Works Pvt. Ltd.*

Bombay, the 26th March 1979

No. 14026/11q.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Ambika Glass Works Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 27-9-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Display & Decorations Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 12266/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Display & Decorations Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Jaspal Finance & Chit Savings Pvt. Ltd.*

Bombay, the 24th May 1979

No. 15098/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jaspal Finance & Chit Savings Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA  
Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 29th May 1979

No. F.48-Ad(AT)/79.—Shri B. Chakraborty, Personal Assistant to Member, Income-tax Appellate Tribunal is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Bench, Calcutta in a temporary capacity with effect from 21-5-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders. He will be on probation for two years with effect from 21-5-1979 (Forenoon).

No. F.48-Ad(AT)/79.—1. Shri D. S. Sharma, District probation Officer, Meerut, Government of U.P., is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur, in a temporary capacity with effect from 10-5-1979 (Forenoon) in the scale of Rs. 650-30-

740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 10th May, 1979 (Forenoon).

2. No. F.48-Ad(AT)/79.—On the appointment of Shri D. S. Sharma (nominee of Union Public Service Commission for the post of Assistant Registrar) Shri R. K. Ghosh, who was officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity with effect from 16-8-1978 is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, with effect from 10-5-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR, President  
Income-tax Appellate Tribunal



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1979

Ref. No. SRS/10/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. VI-3365, Nauhria Bazar, Nauhria Gate situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Manjeet Singh s/o  
Shri Onkar Singh s/o  
Shri Buta Singh.  
R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Ram Tirath s/o  
Shri Pyare Lal,  
R/o House No. VI-3365, Nauhria Bazar,  
Nauhria Gate, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storey Property No. VI-3365 alongwith two shops situated in Nauhria Bazar, Nauhria Gate, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Sirsa at serial No. 3938 dated 24-10-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Lal Chand Ahluwalia son of  
Shri Mehar Chand Ahluwalia r/o  
50-B Swami Nagar, New Delhi.

(Transferor)

2. Shri Rajiv Sahai Endlaw s/o Shri Ishwar Sahai  
Advocate r/o House No. 1,  
Bazar Lane, New Delhi. (Bengali Market).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ.I/SR-III/10-1978/753.—Whereas I,  
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 1 Block No. 205-C situated at Bazar Lane, Bengali  
Mkt. New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 29-10-78

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storey House No. 1 Block No. 205-C measuring  
212.5 sq. yds. situated at Bazar Lane, Bengali Market, New  
Delhi as specified in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I

Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE I.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/687.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-13 situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Dhawan son of  
Shri Nand Lal Dhawan  
c/o Shri O. P. Khanna, A-73 Pandara Road, New  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dr. Chitranjan Malik son of  
late Shri Ashutosh Malik  
r/o I-1648 Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The plot of land bearing No. L-13 Kalkaji, New Delhi measuring 469 sq. yds. situated in the residential colony of Kalkaji and bounded as under :—

North—Plot No. L-14, South—Plot No. L-12  
East—Lane, West—Road.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/727.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on 19-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ujjal Singh son of Shri Kartar Singh  
Resident of W-96 Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited through its Director Mr. O. P. Garg,  
Resident of C-46 N.D.S.E. Part-II,  
New Delhi.  
2. M/s. Premashram Properties Private Limited through its Director Shri O. P. Garg. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 sq. yards in a free hold plot of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II, New Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi-New Delhi

Date : 26-6-1979  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Manjit Singh Khurana son of  
Shri Kartar Singh,  
Resident of : W-96 Greater Kailash,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited  
through its Director Mr. O. P. Garg,  
Resident of : C-46 N.D.S.E. Part-II,  
New Delhi.

2. M/s. Premashram Properties Private Limited,  
through its Director Shri O. P. Garg,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/725.—Whereas I,  
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 19-10-1978,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely :—

14—146GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the re-  
spective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 Sq. yards in a free hold plot  
of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II New  
Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/726.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-97 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, New Delhi on 19-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh Khurana son of  
Shri Kartar Singh,  
Resident of W-96 Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shakuntalam Properties Private Limited  
through its Director,

2. M/s. Premashram Properties Private Limited,  
through its Director Shri O. P. Garg,  
C-46 N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share measuring 333.3 Sq. yards in a free hold plot of land bearing No. W-97 situated in Greater Kailash-II New Delhi as specified in the instrument of deed.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/708.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-17 Kalindi Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 14-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Man Mohan Kakar son of  
Lala Kishori Lal Kakar  
of M/s. Ram Saran Dass & Bros.,  
5-B Atma Ram House, 1 Tolstoy Marg, New Delhi.  
(Transferor)

- (2) Shri Tirath Ram son of Shri Pishori Lal  
Resident of 66 Friends Colony, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. D-17 measuring 800 Sq. yards situated at Kalindi colony, New Delhi as specified in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/723.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20 Anand Lok situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 19-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Maheshwar Dayal son of  
Shri Din Dayal  
Resident of 20 Anand Lok,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Goneka son of  
Shri S. N. Goneka  
Resident of 20 Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1½ storeyed built house No. 20 Anand Lok, measuring 800 Sq. yards situated at Anand Lok New Delhi as specified in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Ram Narain Bhatia s/o Shri Ram Ditta Mal  
r/o CA/2 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narain Singh s/o Shri Moti Singh  
r/o E-141 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ. I/S.R. III/12-78/896.—Whereas I,  
MISS ANJANI OZAbeing the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Plot No. 15 Block No. M situated at Greater Kailash-II,  
New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 22-12-78for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons,  
namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial free hold plot No. M-15  
measuring 195 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New  
Delhi.MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Tarlok Singh s/o  
Shri Gurbax Singh r/o M-27,  
Kreater Kailash-I Market, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Ishar Kaur d/o Jodh Singh  
r/o D-16 Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./Acq. I/SR-III/12-1978/893.—Whereas I,  
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. M-30 (shop) situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on 21-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said in-  
strument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land bearing No. M-  
30 measuring 196.5 sq. yds. situated at Greater Kailash-II,  
New Delhi detailed in the instrument of transfer.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C./ACQ. I/S.R. III/10-1978/758.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A gr. lands situated at village Jaitpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-10-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raja Ram s/o Shri Isher, alias Isher Singh r/o Village Molar Bandh, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Madan Lal Mittal self and as Natural guardian on behalf of Shri Denesh Kumar and Shri Ramesh Kumar.

(2) Shri Sanesh Kumar s/o Madan Lal Mittal r/o 19/6 Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 35 bighas 2 biswas out of Khasra Nos. detailed below :—

Khasra No.	Area
662	4-4
663	
664	
665 to 667	(situated in village Jaitpur, Tehsil Mehrauli New Delhi as per details in the instrument of transfer.)
668/1	
660	
670	
671/1	
672/2	
673	
674	
675	
676	
677	
679 to 684 etc.	

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/756.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-2 Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbux Singh Pabla  
Resident of K-9 South Extension Part-II,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Old Village Industries Ltd.,  
16-A Naraina Industrial Area,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential-cum-commercial plot of land No. M-2 measuring 195 Sq. yards situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Comptent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. J.A.C. Acq-I/S.R. III/Oct. II(8)/1978-79/719.—  
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office flat-102 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe (that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15-146GI/79

(1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22 Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kumari wife of Late  
Shri Ram Narain Kataria and  
(2) Shrimati Swaran Kanta wife of  
Shri Balraj Katria  
Residents of : A-20 Jangpura, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office flat No. 102 (1st floor) measuring 617.9 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-I, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/Oct. II(3)/1978-79/715.—  
Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Flat No. 304 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22 Narindra Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kanwal Kishore Juneja,  
son of Shri B. R. Juneja  
Kamal Priya 30 Teg Bahadur Road,  
Dehra Dun, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office flat No. 304 (3rd floor) measuring 488.6 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, I,  
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/Oct. I(38)1978-79/705.—

Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Flat No. 302 situated at Third Floor, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. DLF United Limited,  
21-22 Naraina Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati P. J. Nanda wife of Shri C. M. Nanda  
C/82 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the expiry of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office Flat No. 302 on Third Floor measuring 617.9 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date: 22-6-1979

Seal:

## FORM ITNS—

(1) M/s. D.I. F. United Limited,  
21-22, Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Sushma Jerath wife of  
Maj. V. P. Jerath  
Care of : Maj V. P. Jerath,  
Garison Engineer Itarana Palace,  
Alwar, Rajasthan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R. III/Oct. II(1)/1978-  
79/713.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Office Flat No. 406 situated at (4th Floor), Cinema  
Commercial Building, G. K.-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 16-10-1978 for an apparent  
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property, and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office flat No. 406 (4th Floor) measuring 468.7 Sq. ft.  
situated at Cinema Commercial Building, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22 Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashwani Kumar Juneja son of  
Shri B. R. Juneja, 'Kamal Priya' 30  
Teg Bahadur Road, Dehradun (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. Range-I/S.R. III/Oct II(2)/1978-  
79/714.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Office Flat No. 306 situated at Savitri Cinema Commer-  
cial Complex, Greater Kailash-II New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office Flat No. 306 (3rd floor) measuring 469 Sq.  
ft situated at Cinema Commercial Building Greater Kailash-  
II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range 1  
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq-I/S.R. III/Oct. 11(4)/1978-79/716.—  
Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office flat No. 203 situated at Savitri Cinema Complex Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Limited,  
21-22 Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Shakuntala Arora  
wife of Shri Amar Nath Arora,  
11 Malviya Road, Dehradun, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Office flat No. 203 (2nd floor) measuring 578.3 Sq. ft. Cinema Complex building, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 22-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978/712.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-133 Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sudarshan Kumar Chadha  
son of Shri B. N. Chadha  
Resident of : 134-R Model Town, Sonapat.  
(Transferor)
- (2) Shri Manmohan Singh son of  
Shri Avtar Singh,  
Resident of : 8/25 West Patel Nagar,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. C-133 measuring 313 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/10-1978-748.—Whereas, I,  
MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. E-54 situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 27-10-1978,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) (1) Mrs. Daya Wati wife of Shri Sohan Lal  
(2) Janak Raj  
(3) Mohinder Lal  
(4) Vijay Kumar son of Shri Sohan Lal  
All Residents of : 7/21 Darya Ganj, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Siakander Lal Pahwa son of Shri Sher Singh,  
(2) Shrimati Subash Pahwa wife of Shri Sher Singh  
Resident of : FD-34 Tagore Garden, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. E-54 measuring 556½ Sq. yards situated  
at Greater Kailash-I, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th June 1979

Ref. No. I.A.C. Acq-I/S.R. III/10-1978/718.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-299 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—146GI/79

(1) Shri Kalliat Parameswaran Nair son of Late Shri Parameswaran Pillai, Resident of F-299 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri R. D. Thapar son of Shri Hari Chand Thapar and (2) Shri Rajesh A. Thapar son of Shri R. D. Thapar (H.U.F.) Resident of E-299 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House property No. E-299 measuring 303 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under :

East : Road,  
West : E-297  
North : Road,  
South : Service lane.MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

Date : 26-6-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th June 1979

Ref. No. AP/79-80/NKD/562.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Village Uggi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nakodar on Jan. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sewa Devi Wd/o Jawala Sahai c/o Mukhtiaran Jagdeshwar Sahai s/o Jawala Sahai village Uggi Teh. Nakodar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdial Singh, Jagtar Singh, Kewal Singh, Amarjit Singh ss/o Dilbagh Singh village Uggi Teh. Nakodar.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above  
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanal in village Uggi as per sale deed No. 2650 January, 1979 registered with the S. R. Nakodar.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 18-6-1979,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, 18th June 1979

Ref. No. AP/79-80/NKD/563.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

As per schedule situated at Village Uggi Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Surinder Sahai s/o Sh. Jawala Sahai village Uggi Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurdial Singh, Jagtar Singh, Amarjit Singh s/o Dilbagh Singh, village Uggi Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals situated in village Uggi as per sale deed No. 2649 January, 1979 with the S. R. Nakodar.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 18.6.79.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 27th June 1979

Ref. No. AP.564/79-80/GRM.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Garhshanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshander on Nov. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Surinder Singh S/o Sh. Karam Singh, Village : Garhshanker Distt. Hoshiarpur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Des Raj, Harbans Singh ss/o Jeewan Singh, Railway Road, Garhshanker Distt. Hoshiarpur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,  
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop on P.W.D. Road, at Garhshanker as per sale deed No. 2560 November, 1978 registered with S. R. Garhshanker.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 27.6.79  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sh. Nand Kumar s/o Sh. Lakshman Dass s/o Sh. Chaman Lal, Bhatinda.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Major Atma Singh s/o Sh. Ishar Singh s/o Sh. Deva Singh village. Mahal Khurd, Teh. Barnala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1978

Ref. No. AP565/79-80/B71.—Whereas, I, SUKHDEV, CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property,

and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :—

(3) As per S. No. 2 above,

(person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A plot measuring 453 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2, near Old Bus stop, Bhatinda as per sale deed No. 4256 of December, 1978 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28.6.79.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 28th June 1979

Ref. No. AP566/B71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tirath Ram s/o Sh. Bhagat Ram, G.A. Shri Darshan Kumar, Sirki Bazar, Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Harbans Singh s/o Shri Bakshi Singh, C-353, Thermal Plant, Bhatinda.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot measuring 452 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2, Near Old Bus Stop, Bhatinda as per registration deed No. 4257 of Dec., 1978 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28.6.79.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Kishan Urf. Sh. Ram Dass s/o Sh. Chanan  
Ram S/o Sh. Shiv Dayal, Bhatinda.  
(Transferor)

(2) Shri Naginder Singh s/o Sh. Ishar Singh s/o Sh.  
Deva Singh, Village Mahal Khurd, Teh. Barnala.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP567/B71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As er schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Bhatinda on Dec. 78

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A plot measuring 453 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali  
No. 2, near Old Bus Stand, Bhatinda as per sale deed No.  
4258 of December, 1978 registered with the Sub-Registrar,  
Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to  
the following persons, namely : —

Date : 28.6.79.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th June 1978

Ref. No. AP568/BII/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Bhagwan Dass s/o Sh. Kala Mal, Gali Afeem Wali, Bhatinda. (Transferor)

(2) Major Atma Singh s/o Sh. Isher Singh. Kulwant Kaur w/o Sh. Nirmal Singh, Naginder Singh s/o Sh. Ishar Singh Vill : Mahal Khurd Teh. Barnala. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 488 Sq. yards situated on Ajit Road, Gali No. 2 near Old Bus Stand, Bhatinda as per sale deed No. 4270 of December, 78 registered with the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28.6.79.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal R/o Bibian Street, Patiala,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kartar Kaur W/o Sh. Manjit Singh R/o Mohalla Bhaikian, Sunam City, Distt. Sangrur,

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTA/141/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanal 6 marlas (0-16-69 Hectors) situated at Village Tripari, Patiala, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

17—146GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3 kanal 6 marlas situated at Village Tripari Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3694 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Sh. Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Road, Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th June 1979

Re. No. PTA/145/78-79.—Whereas, I, NATHURAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 kanal 8 marlas situated at Village Tripari, situated at Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ujagar Singh s/o Sh. Bhagwan Singh R/o Raghomajra, Patiala. Smt. Abnash Sethi w/o Sh. J.P. Sethi, Dukhnawarian Road, Patiala Smt. Rajinder Kaur Bhatia W/o Sh. Mannohan Singh r/o Raghomajra Patiala and Smt. Sham Kaur W/o Shri Tirth Singh, Raghomajra, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5 kanal 8 marla situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3737 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :

**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTA/144/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khola measuring 164 sq. yds. situated at Jand Gali, near Chowk Purani Kotwali, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Patiala in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piyara Singh Grewal s/o Harnam Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Piyara Singh r/o Patiala.  
(Transferor)
- (2) M/s Ashoka Finance & Chit Fund Company (Regd.), Fort Bazar, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Khola measuring 164 sq. yds. situated at Jand Street, near Chowk Purani Kotwali, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3734 of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th June 1979

Ref. No. PTA/149/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohlak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop property situated in Jand Gali, Fort Bazar, Patiala, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Piara Singh Grewal s/o Sh. Harnam Singh & Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Piara Singh r/o Patiala.

(Transferor)

- (2) M/s Ashoka & Company r/o Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. M/s Ashoka & Company, r/o Patiala.  
2. Shri Kahan Chand r/o Ashoka & Co., Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop Property situated in Jand Gali, Fort Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3814 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-6-1979.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th June 1979

Ref. No. LDH/78/7878-79.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop-Cum-Flat No. 13, Sarabha Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Mal Singh s/o Shri Gurbax Singh,  
R/o Village Bopa Rai Kalan, Teh. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Smt. Har Kaur w/o Shri Sham Singh,  
R/o S.C.F.No. 13-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(Transferee)
- (3) M/s Naveen Books & General Store, S.C.F. No. 13-I,  
Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S.C.F. No. 13, Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2636 of October, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 June 1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR,  
SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 13th March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/90/78-79.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 of Block 'E' of Field No. 78, Dharampeth, situated at Nagpur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 16-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Miss. Vimla Narayan Herlekar,  
R/o 186, Allanganj, Allahabad (UP).  
(Transferor)
- (2) Vasant Lalji Maheshkar,  
Ashok Lalji Maheshkar,  
both R/o Bhagwaghar Layout,  
Dharampeth, Nagpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 of Block 'E' of Field No. 78, in Dharampeth, Nagpur.

M. V. R. PRASAD,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 13-3-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG  
LUCKNOW**

Lucknow, the 27th March 1979

Ref. No. M.104/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 29-A (Plot No. 31), Hastings Road situated at (Nyaya Marg), Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 7-7-1978/October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shehnaz Darabshaw Gandhi (Transferor)
- (2) Smt. Malti Goel (Transferee)
- (3) Smt. Malti Goel (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Shehnaz Darabshaw Gandhi (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 29-A (Plot No. 31) situated at Hastings Road (Nyaya Marg), Allahabad—lease-hold—which is mentioned in Form 37G No. 4337 dated 7-7-78, Form 37H for the period 1-10-78 to 15-10-78 at Sl. No. 1 dated 15-10-78 and in the sale deed which are duly registered in the office of the Sub Registrar, Allahabad on 7-7-78/Oct. 1978.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-3-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Panna Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhika Devi

(Transferee)

(3) Shri Panna Lal

(Person in occupation of the property)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 9th April 1979

Ref. No. R-131/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 178-A situated at Nakhas Kona, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 9-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house No. 178-A situated at Mohalla Nakhas Kona, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4444 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Radha Devi Santhalia

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ashok Kumar Jaiswal

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAMGIRI MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 9th May 1979

Ref. No. 76-A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/68 situated at Maldahiya, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—146GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with land area 3157-7 Sqr. mtrs. situated at Maldahiya Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 19221 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi on 25-10-1978.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-5-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Fazlur Rahman

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Devi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRATH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 8th May 1979

Ref. No. 5-174/ Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/33 situated at Purana Qila, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

From portion house No. 8/33 situate at Purana Qila, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 4794 and sale-deed duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Lucknow on 13-10-1978.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

- (1) Smt. Sharda Sharma  
w/o Sri Ramakant Sharma  
i/o Shivasarovar colony, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st June 1979

Ref. No. 801-A/Mrt/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Meerut on 17-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Sangita Dua  
w/o Dr. Jagannath Dua  
r/o 64 Begam Bridge Lawyer wali Gali,  
Jawahar Quarters, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 26 Shiv Sarovar Colony, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 120,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-6-1979  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 4th June 1979

Ref. No. TR 644/Acq./Etawah/78-79.- Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Idhan Das  
s/o Shri Hasomal,  
Shri Pamman Lal  
s/o Shri Bigham Lal  
Shri Mohal Lal  
s/o Shri Idhan Das  
Shri Bhag Chand  
s/o Shri Bigham Lal  
Smt. Laxmi Devi  
w/o Shri Bigham Lal  
r/o Kasba Bharthana Sindhi colony  
Pargana Bharthana Dist. Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Basudeo Sharda  
s/o Mohan Lal Sharda  
r/o Maksudpura, City Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property situated at Mohalla Katra Shamsheer Khan Shahar Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 158,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-6-1979  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th June 1979

Ref. No. 561/ Acq./F.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 24-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Km. Mewa  
d/o Kokhi  
w/o Shri Sunder Singh Sharma  
r/o village Alipur  
Tah. Firozabad, Dist. Agra.

(Transferee)

(2) Shri Mansur Khan  
s/o Shri Ramjas Khan  
Smt. Sarbati Devi  
w/o Shri Netrapal Singh  
r/o village Alipur, Firozabad,  
S/Shri Narsinghpal, Surajpal  
ss/o Shri Kokaram  
r/o village Hardaspur Kotala  
Tah. Firozabad Dist. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 6 Bigha 12 Biswansi situated at Mauja Alipur Tah. Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-6-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 5th June 1979

Ref. No. 863/Acq./Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 18-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sardar Tirath Singh Chadha  
s/o Sardar Charan Singh  
r/o Nagar Kant Colony Idgah, Agra.

(Transferor)

- (2) Sardar Ravindra Singh  
s/o Sardar Sardul Singh  
r/o 24 Khan Road, Poona,  
Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property No. 39/32A Nagar Kant colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-6-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th June 1979

Ref. No. Acq./820-A/G.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gaziabad on 5-10-79 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Laxmi Narain  
s/o Shri Sukhdayal  
r/o III E 84 Nehrunagar, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal Chanana  
s/o Shri Gurandivaya Mal Chanana.  
Girish Chanana Gurdian Sohan Lal Chanana  
r/o 117 Turavnagar, Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. III-F/84 Nehrunagar, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 92,032/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-6-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/893-A/Hardwar/78-79 -  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hardwar on 23-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhola Nath,  
s/o Shri Kishan Chandra,  
r/o Shrawannath Nagar, Parg. Jawalapur,  
Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur. (Hardwar).  
(Transferor)

(2) Sardar Manmohan Singh,  
s/o S. Surjan Singh,  
r/o Gaughat, Part. Jawalapur,  
Teh. Roorkie, Hardwar, Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied house property having total area of 1632 sq. ft. situated at Shrawan Nath Nagar (Near Ialta Rau) Mayapur, Haridwar, Parg. Jawalapur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur, sold for an apparent consideration of 97,000/-, the fair market value of which exceeds more than 15%.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-6-79  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/892-A/Hardwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 19-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—146GI/79

- (1) Sh. Mumuksh Mandal Bhopatwala Kalan (Hardwar), Parg. Jwalapur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur, through Shri Khulhi Ram, Up-Pradhan of the said Mandal, r/o Mohalla Ram Jiwan Mai Bazar, Chilkana Road, Saharanpur

(Transferor)

- (2) Shree Sanatan Dharam Sabha Khanna Nagar (Aliganj), Lodhi Road, New Delhi, through Shri Data Ram, Pradhan of the said Sabha, r/o Sanatandharam Sabha, Khanna Nagar (Aliganj), Lodhi Road, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 2000 sq. ft. bearing Khastu No. 193, situated at Vill. Bhopatwala Kalan, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkie, Distt. Saharanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 85,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-6-79

Seal

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th June 1979

Ref. No. Acq/888-A/KNP/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sudha Agarwal,  
w/o Shri K. K. Agarwal,  
r/o 51/35, Nayaganj, Kanpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Raj Kumar Garg &  
2. Pushkar Lal Agarwal,  
ss/o Shri Girdhari Lal,  
r/o 21/1, Chatai Mohal, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property constructed at Plot No., Anandpuri, Kanpur, having land area of 1829.53 sq. ft., sold for an apparent consideration of Rs. 1,40,000/-, fair market value of which is more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-6-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1979

Ref. No. Asr/78-80/66.—Whereas, I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot No. 18 min situated at Gali No. 1, Dayanand Nagar Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 27 Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishan Kumar  
s/o Shri Ghansham Das,  
r/o Amritsar Lawrance Road,  
Dayanand Nagar Now Kothi No. 751,  
Rohtak, Haryana.

(Transferor)

- (2) Smt. Lila Vati  
w/o Shri Sain Dass  
r/o Amritsar, Lawrance Road,  
Dayanand Nagar Kothi No. 202,  
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot No. 18 min khasra No. 2291, 2293, 2294 situated at Gali No. 1 Dayanand Nagar, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2745 of 27-10-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1979

Ref. No. Asr/79-80/67.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 40, Court Rd. situated at Thakur Maha Singh Rd. Amritsar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City on 27 October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Nathu Handa  
s/o Shri Radha Kishan Handa  
R/o Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh  
s/o Shri Subedar Gurbax Singh,  
40 Thakur Maha Singh Road,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 40 situated at Court Rd. Thakur Maha Singh Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2717/1 dated 27-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 6-6-1979

Seal



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1979

Ref. No. Asr./79-80/68.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1160/X-5 situated at Gali Gujran, Dhab Khatikan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 27 October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Madan Mohan Khanna, Ram Gopal Khanna, Brij Mohan Khanna, Ss/o Shri Gurbax Rai Khanna, Gali Gujran, Dhab Khatikan, and Vinay Kumari D/o Shri Gurbax Rai Khanna, W/o Shri D. K. Kapur, Pali Hill Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Rani Handa W/o Shri Joginder Kumar Handa R/o House No. 1160, Gali Gujran, Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1160 measuring 129 sq. mts. situated at Gali Gujran, Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 2588 dated 27-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 7-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th June 1979

Ref. No. Asr./79-80/69.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 42Min/79 and situated at Krishna Square Amritsar, Sir Gopal Dass Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 24 October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Wati  
Wd/o Shri Bhagwan Dass,  
R/o Abadi Krishna Square,  
Sir Gopal Dass Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Balwant Kaur  
Wd/o Shri Avtar Singh, Advocate  
R/o Amritsar Hussain Pura,  
at present Sir Gopal Dass Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 42 min/79 now situated at Krishna Square, Amritsar, Sir Gopal Dass Road, as mentioned in the Regd. Deed No. 2665 dated 24-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 7-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th June 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/553.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-56 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hansraj Sukhija  
s/o Shri Jhandaram Sukhija  
R/o Q. No. 150-A Gurunanak Pura  
Rajapark Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Vishvanath Goyanka  
s/o Shri Ramdutt Goyanka  
r/o Simoo Staff colony, Bharatpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. A-56 situated at Tilak Nagar Jaipur and more fully described in conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2364 dated 18-10-78.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)455.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Plot No. B-123-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely :—

- (1) Shrimati Pann Kumari Baid  
w/o Shri Mangal Chand  
through Attorney Sh. Gumanmad,  
r/o Tiwari Building M.I. Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) S/Shri Nathulal & Bhanwari Shanker  
r/o House No. 1931 Nahargarh Road,  
Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western part of plot No. B-123-B Mangal Marg Bapu Nagar, Jaipur and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2446 dt. 27-10-1978.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date 15-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/554.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Agril. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
20—146G1/79

(1) Shri Ishwarlal  
s/o Shri Hari Mali  
R/o Beawar Distt. Ajmer (Rajasthan)  
(Transferor)

(2) 1. Shri Rajendra Pd.  
s/o Shri Durga Prasad Mangal  
2. Shri Shree Ram, 3. Shri Bastiram,  
4. Sh. Mohanlal and 5. Sh. Sohanlal  
ss/o Sh. Ram Gopal,  
Khatavaf Beawar, Distt. Ajmer  
(Rajasthan).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 4 bighas and 2 bishwas situated at Chhawa, Nayaganar, Beawar and much more fully described in the sale deed registered by D.R. Ajmer vide registration No. 1 dated 13-10-1978.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-6-1979  
Seal

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. 298/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 13-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ouseph Mathai  
(For E. Emmanuel)  
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty  
Panakkal Hospital,  
Keezhthadiyoor, Palai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

23.30 Cents of land with buildings in Sy. No 17/1/2 and 16/17A/3 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-6-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ouseph Mathai  
(For E. Emmanuel)  
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Josekutty  
Panakkal Hospital,  
Keezhthadiyoor, Palai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin 682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. 299/79-80.—Whereas, I,  
K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palai  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Meenachil on 18-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Act, in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

23 cents of land with buildings in Sy. No. 17/1/2 of Palai  
Municipality.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
Persons, namely :—

Date : 13-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. 300/79-80.—Whereas, I,  
K. NARAYANA MENON

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 24-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ouseph Mathai  
(For E. Emmanuel)  
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty  
Panakkal Hospital,  
Keczhthadiyoor, Palai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

35 Cents of land in Sy. Nos. 17/2/3 and 17/1/2 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-6-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) 1. V. N. Narayana Swamy  
2. M/s. Lakshmi Estates  
(by V. N. Narayana Swami)  
Palghat.

(Transferor)

- (2) M/s. C. P. Adam (By C. P. Adam)  
Timber Merchants, Calicut.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L. C. 302/79-80.—Whereas, I,  
K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Sy. No. as per schedule situated at Palghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kollenkode on 7-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

160 acres of Coffee estate at Muthalamada, Palghat.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Qamar Jehan Rokiya Begum.  
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Injar (India) Ltd.,  
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 4-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 17-4-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Hoshene Jehan Ajmeri Begum,  
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Injar (India) Ltd.,  
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(b) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

No. 23A situated at Diamond Harbour Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Registrar of Assurances, Calcutta on 5-10-1978

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block  
No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV,  
being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 17-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Smt. Anwar Jehan Soraiya Begum,  
4A, Palm Avenue, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Injar (India) Ltd.,  
160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1979

Ref. No. Ac-3/R-II/Cd/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 18-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date: 17-4-1979.

Seal:

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I**

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 21st April 1979

Ref. No. 467/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30A, situated at Kalighat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—146G1/79

- (1) Sri Brojendra Nath Gupta, Sm. Chitra Gupta, Sri Atindra Nath Gupta, Sm. Subhra Gupta, Sri Sisir Kr. Gupta, Sri Samar Kr. Gupta, Sri Sankar Kr. Gupta, Sri Sachindra Gupta, & Sri Suhrit Kr. Sen.  
(Transferor)

- (2) Shri Soumendra Nath Sen,  
128B, Harish Mukherjee Road,  
Calcutta.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of a two storied building containing an area of six cotahs of land situated at 30A, Kalighat Road, Calcutta as per deed No. 1-4841 of 1978.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I.

Date : 21-4-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Rampuria Brothers (P) Ltd.,  
148, Cotton Street, Calcutta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

(2) M/s Malayalay Apartments (P) Ltd.,  
3, Woodburn Road, Calcutta.

(Transferee)

Calcutta, the 27th April 1979

Ret. No. 468/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 situated at Woodburn Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 18 cottahs 1 chittack 35 sq. ft. together with building thereon situated at premises No. 3, Woodburn Road, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1979,  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sunity Bala Das,  
33/3/D, Chetla Central Road, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Krishna Bandopadhyay,  
9/B, Sadananda Road, Calcutta-26.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1979

Ref. No.Ac-4/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

400/365, situated at Pashupati Bhattacharyay Road, Calcutta-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at District Registrar, 24-Parganas, Alipore on 4-10-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 10-chittaks & 5-sq. ft. being holding No. 400/365, Pashupati Bhattacharyay Road, Calcutta-34, in Mouza Mamudpur, P.S. Behala.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 7-5-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th May 1979

Ref. No. AC-16/Acq.R-IV/Cul/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 142, situated at Mouza Raghunathpur, P.S. Rajarhat, Dist : 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore on 18-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) 1. Sri Baroda Prosad Naskar, 2. Kalipada Naskar, 3. Krishna Ch. Naskar, 4. Ramkanta Naskar & 5. Manik Chandra Naskar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sushila Kanodia & Sri Anup Kanodia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 6 cottahs & 14 chittaks situated at Mouza Raghunathpur, P.S. Rajarhat, District : 24-Parganas being kh. No. 142, Dag no. 210, 210/832, 211, J.L. No. 8 more particularly as per deed no. 6034 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta

Date : 8-5-1979.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Debi Prosad Ghosh, 57B, Garcha Road, P.S. Ballygunj, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhupatish Roy Chowdhury, P-16/4/1, Purna Das Road, Calcutta-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II

The 11th May 1979

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/26 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas on 3-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11-cottahs, 6-chittaks & 38- sq. ft. with temporary structures being premises No. 27/26, Diamond Harbour Road, Calcutta-34.

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 11-5-1979.  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 11th May 1979

No. Ac-6/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I. S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/B, situated at Mominpore Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 7-19-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobind Lall Sarkar,  
3/C, Bhupen Roy Road, Calcutta-34.  
(Transferor)
- (2) Sk. Moin Akhtar,  
8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.  
(Transferee)
- (3) Shri/Smt/Kumari (1) Unni Krishnan, (2) Radha Krishnan, (3) B. L. Das, (4) M. K. Venu Gopal, (5) N. K. A. Khan Ahmed, (6) E. G. P. Nair, (7) T. V. Damodaran,  
All of 8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring three & half cottahs with two-storeyed brick built building being premises No. 8/B, Mominpore Road, Calcutta-23.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 11-5-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Algemene Bank Nederland N.V.,  
18A, Brabourne Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. J. Thomas & Co. (P) Ltd.,  
11, R.N. Mukherjee Rd., Calcutta

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 14th May 1979

No. Ac-7/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

8/6/1 situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 32, premises No 8/6/1, Alipore Road, Calcutta with garage & servant's quarters.

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16

Date : 14-5-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Amallesh Chowley of Jalalpore,  
P.S. Falta, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukunda Mohan Banerjee,  
34A, Joynuddin Mistiri Lane, Calcutta-27.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta the, 15th May 1979

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mouza Paschim Barisha, P.S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar of Alipore at Behala on 6-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring .04 decimal with building at Mouza Paschim Barisha, P.S. Behala,

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1979,  
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Nandalal Shrimani, 2. Shri Jagannath Shrimani, 3. Shri Shyam Sundar Shrimani, 4. Shri Nil-ratan Shrimani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. No. AC-17/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Touji No. 146, situated at P.S. Barasat, District 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barasat on 3-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—146GI/79

- (2) 1. Shri Kedar Nath Singh, 2. Shri Kashi Nath Singh, 3. Shri Sital Prasad Singh, 4. Smt. Payari Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.55 acres situated at Touji No. 146, Mouza Barbaria, P.S. Barasat, District : 24-Parganas more particularly as per deed no. 2567 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 18-5-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri 1. Nandalal Shrimani, 2. Jagannath Shrimani,  
3. Shyam Sundar Shrimani & 4. Nilratan Shrimani.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Kedar Nath Singh, 2. Kashi Nath Singh,  
3. Sital Prosad Singh, 4. Smt. Payari Singh.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. AC-18/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touji No. 146, situated at P.S. Barasat, District 24-Parganas,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barasat on 3-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.52 acres situated at P.S. Barasat, District : 24-Parganas, Mouza Barbaria, Touji No. 146, more particularly as per deed no. 5774 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-5-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th May 1979

Ref. No. AC-19/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-175 situated at Block 'C', Bangur Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and/or**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Probhat Kumar Ghosh

(Transferor)

(2) Sri Dayamoy Banerjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 8 chittaks 3 sft. together with a building thereon situated at P-175, Block 'C', Bangur Avenue, Calcutta, more particularly as per deed No. 4792 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 18-5-1979.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Baidyanath Bhattacharjee

(Transferor)

(1) Shri Amarnath Bhattacharjee

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. AC-20/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94, Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9592 of the year 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 22-5-1979

Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-21/Acq.R-IV, Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 17, situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                 |              |
|---------------------------------|--------------|
| (1) Sri Baidynath Bhattacharjee | (Transferor) |
| (2) Sri Biswanath Bhattacharjee | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9593 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 22-5-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Sujata Bhattacharjee

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-22/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P. S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 9594 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 22-5-1979.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Samar Nath Bhattacharjee

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-23/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4246 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700016

Date : 22-5-1979  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Baidynath Bhattacharjee

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chaya Bhattacharjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 22nd May 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-24/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I. S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 17, situated at Manmohan Ghosh Road, P.S. Kotowali, District Nadia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Gobind Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4247 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. SL 496/TR-448/C-404/Cal 1/78-79.—Whereas I,  
I. V. S. Juneja,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 3 situated at Meridith St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 6-10-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

23—146GI/79

- (1) 1. Smt. Prem Kumari Bhatia  
2. Omprakash Bhatia  
3. Sri Pratyush Bhatia

(Transferor)

- (2) Smt. Premlata Chopra

(Transferor)

- (3) New Eastern Motor Garage

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land containing an area of 4 Cottahs 12 chittacks 7 sft.  
being premises No. 3, Meridith St., Calcutta registered before  
the Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. -I- 4857  
dated 6-10-1978.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I, Calcutta.

Date: 22-5-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd May 1979

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cul/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Holding No. 17 situated at Manmohan Ghosh Road, P. S. Kotowali, District Nadia, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadia on 20-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri Baidyanath Bhattacharjee (Transferor)  
 (2) Smt. Bijali Bhattacharjee (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/6th share of all that piece and parcel of land measuring 0.17 acres together with building thereon situated at Holding No. 17, Manmohan Ghosh Road, Dag No. 890, Kh. No. 528, Mouza 94 Govinda Sarak, P.S. Kotowali, District Nadia, more particularly as per deed No. 4248 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-IV,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 22-5-1979.  
 Seal :

## FORM ITNS ———

(1) M/s. Anamika Builders (P) Ltd.,  
20, Ganes Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 22nd May 1979

Ref. No. 474/Ac. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3B on third floor situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Calcutta on 20-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

17-136GI/79

(2) Shri Paranjit Singh Grewal and Amarjit Singh Grewal, 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat being No. 3B on the 3rd floor situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Date : 25-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

OFFICE OF THE IAC/ACQ/R/IV-CALCUTTA

Calcutta, the 5th June 1979

Ref. No. AC-27/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 situated at Rashbehari Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn at Calcutta on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1- Amala Charan Mookherjee
2. Nilkanto Mookerjee
3. Sreekantha Mookerjee
4. Sm. Parul Bala Mookerjee
5. Tulsidas Mookerjee
6. Pradip Kr. Mookerjee
7. Durgadas Mookerjee
8. Debdas Mookerjee
9. Dwija Das Mookerjee
10. Haridas Mookerjee
11. Akshoy Mookerjee
12. Mili Mookerjee
13. Sm. Roma Rani Mookerjee
14. Purnima Mookerjee
15. Sm. Jyotsna Mookerjee
16. Smt. Ayesha Banerjee
17. Sm. Chinmoyee Debi
18. Sri Prosanta Kr. Mookerjee
19. Jharna Law
20. Smt. Kalpana Chatterjee
21. Digamber Banerjee
22. Pratip Banerjee

(Transferors)

(2) M/s. D. N. Construction &amp; Investment (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

(4) Some portion in occupation of Shri Nimai Bera.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that of undivided half share of the piece and parcel of land measuring 8 cottahs 14 chittaks together with buildings situated at 34, Rashbehari Avenue, Calcutta, more particularly as per deed No. 1007 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 5-6-1979.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE IAC/ACQ/R/IV-CALCUTTA

Calcutta, the 5th June 1979

Ref. No. AC-28/ACQ.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, J. S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 34, situated at Rashbehari Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1- Amala Charan Mookherjee
- 2- Nilkanto Mookerjee
- 3- Sreekantha Mookerjee
- 4- Sm. Parul Bala Mookerjee
- 5- Tulsidas Mookerjee
- 6- Pradip Kr. Mookerjee
- 7- Durgadas Mookerjee
- 8- Debdas Mookerjee
- 9- Dwija Das Mookerjee
- 10- Haridas Mookerjee
- 11- Akshoy Mookerjee
- 12- Mili Mookerjee
- 13- Sm. Roma Rani Mookerjee
- 14- Punmia Mookerjee
- 15- Sm. Jyotsna Mookerjee
- 16- Smt. Ayesha Banerjee
- 17- Sm. Chinmoyee Debi
- 18- Sri Prosanta Kr. Mookerjee
- 19- Jharna Law
- 20- Smt. Kalpana Chatterjee
- 21- Digamber Banerjee
- 22- Pratip Banerjee

(Transferees)

(2) Shri Nripendra Krishna Roy and Smt. Pratima Roy.  
(Transferee)

(3) Some portions in occupation of Shri Nimai Bera.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that of undivided half share of the piece and parcel of land measuring 8 cottahs 14 chittaks together with building thereon at 34, Rashbehari Avenue, Calcutta more particularly as per deed No. 1006 of 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 700016.

Date : 5-6-1979.

Seal :

